RNI. NO. RAJHIN/2021/82156 डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -186 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, बुधवार 17 सितम्बर, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

ऑपरेशन से घबराये नक्सली, कहा- हथियार छोड़कर बातचीत को तैयार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सुकमा/रायपुर

छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सल ऑपरेशन चलाये जाने से नक्सली भयभीत हैं। माआवोदी संगठन के शीर्ष नेताओं के नक्सल मुठभेड़ में मारे जाने और सरेंडर करने से उनका संगठन लगातार कमजोर हो रहा है। ऐसे में नक्सलियों ने आज मंगलवार को एक प्रेस नोट जारी कर कहा कि वो हथियार बंद संघर्ष को अस्थायी रूप से छोड़कर शांति वार्ता को तैयार हैं। माआवोदियों ने सरकार से सीजफायर करने की अपील की है। सीपीआई (माओवादी) ने कहा कि देश के कई राज्यों में जेल में बंद साथियों से चर्चा करने के लिये सरकार अनुमति दें। वहीं पुलिस भी एक महीने के लिये ऑपरेशन रोकें। दूसरी ओर इस मामले में प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा का कहना है कि पत्र की सत्यता की जांच करानी होगी। नक्सलवाद के खिलाफ ऑपरेशन जारी रहेगा। यदि नक्सली बंदूक त्यागकर मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, तो उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सरेंडर नक्सलियों के लिए राज्य में नियदनेल्लानार, पुनर्वास समेत कई सारी योजना चला रही है। ऐसे में नक्सली बंदूक छोड़कर सामने आएंगे, तो सरकार उनके साथ शांतिवार्ता के लिये पहल करेगी। माओवादी संगठन के केंद्रीय प्रवक्ता अभय का प्रेस नोट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें उसका कहना है कि हम बातचीत के लिए तैयार हैं। संगठन हथियारबंद संघर्ष को अस्थायी रूप से छोड़कर जनसमस्याओं के समाधान के लिए जन संघर्ष को आगे बढ़ाएगा। हथियार छोड़कर देश की राजनैतिक पार्टियों और संघर्षरत संस्थाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। बदलते हालात और देश की परिस्थितियों को देखते हुए वे शांति वार्ता के लिए तैयार हैं पर इस प्रक्रिया में वो अपनी विचारधारा और राजनीतिक मान्यताओं से पीछे नहीं हटेंगे। मार्च 2025 में संगठन के जारी प्रेस नोट का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने इससे पहले भी संघर्ष विराम और शांति वार्ता की पेशकश की थी, लेकिन उस दौरान ठोस माहौल नहीं बनाया गया। सरकार और सुरक्षा बल यदि वास्तव में शांति चाहते हैं तो हमारे साथियों पर दमनात्मक कार्रवाई बंद कर विश्वसनीय वातावरण बनायें। हमारे शीर्ष नेतृत्व, कैडर और जेल में बंद सदस्यों को वार्ता प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाए। यदि उनकी शर्तों को माना गया और प्रतिनिधियों को शामिल किया गया तो वे हथियार छोड़कर वार्ता में शामिल होने के लिए तैयार हैं। नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि 2025 मार्च आखरी सप्ताह से हमारी पार्टी सरकार के साथ 'शांति वार्ता' के लिए गंभीर एवं ईमानदारी के साथ प्रयास कर रही है। हमारी पार्टी के केंद्रीय कमेटी का प्रवक्ता कामरेड अभय के नाम पर मई 10 को स्वयम हमारी पार्टी के महासचिव एक प्रेस बयान जारी किया था। उसमें उन्होंने हमारी पार्टी हथियार छोड़ने के बारे में उल्लेख करते हुए इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर हमारी पार्टी के सर्वोच्च नेतृत्वकारी कामरेडों के साथ सलाह मशविरा करने के लिए एक माह के समय की मांग करते हुए सरकार के सामने सीज फायर का प्रस्ताव रखा था, लेकिन दुर्भाग्यवश उस पर केंद्र सरकार अपनी सानुकूल रूख को जाहिर नहीं किया था, बल्कि जनवरी 2024 से जारी अपनी घेराव और उन्मुलन सैनिक हमलों को और तेज किए हैं। पत्र आगे लिखा है कि हजारों की संख्या में सशस्त्र पुलिस बल तैनात कर घेराव एवं उन्मूलन हमले को अंजाम दिया गया। माड के गुंडेकोट के पास 21 मई को हुए भीषण हमले में साहसिक रूप से प्रतिरोध करते हुए हमारी पार्टी के महासचिव कामरेड बसवाराजू सहित केंद्रीय कमटी के स्टाफ एवं उनके सुरक्षा गार्ड के 28 साथी शहीद हुए। इस परिप्रेक्ष्य में उनसे पहले किए गए शांति वार्ता की प्रक्रिया को बीच में आधा अधूरा न छोड़कर उनके विचारों के अनुरूप शांति वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए हमनें यह निर्णय लिया है। इससे पहले भी माओवादी संगठन के केंद्रीय प्रवक्ता अभय और अन्य ने शांति वार्ता के लिये कई बार लेटर लिख चुके हैं। बड़ी बात ये है कि हर बार नक्सली कोई न कोई शर्त सरकार के सामने रखते हैं। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकार नक्सलियों की किसी भी शर्त के आगे झुकने को तैयार नहीं है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सलियों को हथियार छोड़ने के लिए अपील की थी। ऐसा नहीं किये जाने पर फोर्स के मुंहतोड़ जवाब के लिये तैयार रहने की चेतावनी दी थी। शाह ने संकल्प लिया है कि मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ समेत देश को नक्सलमुक्त कर दिया जायेगा।

अदृश्य चुनौतियों से निपटने के लिए सतर्क रहे सशस्त्र बलः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोलकाता

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि युद्ध की प्रकृति लगातार बदल रही है, इसलिए भारतीय सशस्त्र बलों को पारंपरिक युद्ध की सोच से आगे बढ़कर 'अदृश्य चुनौतियों' से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। कोलकाता में आयोजित 16वें संयुक्त कमांडर्स कॉन्फ्रेंस (सीसीसी) 2025 को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज के समय में खतरे सिर्फ सीमाओं तक सीमित नहीं हैं।

युद्ध की अवधि का अंदाजा लगाना मुश्किल

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे कहा, 'सूचना, वैचारिक, पर्यावरणीय और जैविक युद्ध जैसे असामान्य खतरों से निपटने के लिए हमें सजग और तैयार रहना होगा।' उन्होंने जोर देकर कहा कि आज की दुनिया में युद्ध अचानक शुरू हो सकते हैं और उनकी अवधि का अंदाजा लगाना मुश्किल है। उन्होंने कहा 'युद्ध दो महीने, एक साल या पांच साल तक भी चल सकता है। हमें हमेशा इतनी क्षमता बनाए रखनी होगी कि किसी भी स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दे सकें।' रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना की, जिसे मई में पहलगाम आतंकी हमले के बाद अंजाम दिया गया था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। राजनाथ सिंह ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर ने साबित किया कि ताकत, रणनीति और आत्मनिर्भरता, ये तीन स्तंभ 21वीं सदी में भारत को शक्ति प्रदान करेंगे। आज हमारे पास स्वदेशी तकनीक और हमारे बहादुर सैनिकों के साहस के दम पर किसी भी चुनौती का सामना करने की क्षमता है। यही असली आत्मनिर्भर भारत है।' राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा क्षेत्र आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं का मिश्रण है।

सशस्त्र बलों में तालमेल पर जोर

रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सशस्त्र बलों के बीच आपसी तालमेल और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय बेहद जरूरी है। इस बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इससे पहले, सोमवार को पीएम मोदी ने तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए सशस्त्र बलों की सराहना की। उन्होंने रक्षा मंत्रालय को संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया।

रक्षा मंत्रालय का भी बयान आया सामने

रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया है, "रणनीतिक मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर विचार-विमर्श किया जा रहा है, जिसमें सेना का आधुनिकीकरण, संयुक्तता, एकीकरण और बहु-क्षेत्रीय युद्ध के लिए परिचालन तत्परता को बढ़ाना शामिल है।" यह द्विवार्षिक सम्मेलन सशस्त्र बलों का शीर्ष विचार-मंथन मंच है, जो देश के शीर्ष नागरिक और सैन्य नेतृत्व को वैचारिक और रणनीतिक स्तर पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक साथ लाता है। साथ ही इसमें विभिन्न रैंक के अधिकारियों के साथ संवाद सत्र भी होते हैं। इस वर्ष 16वां सम्मेलन आयोजित किया जा रहाहै जिसमें सुधारों, परिवर्तन, बदलाव और अभियानगत तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसका विषय है 'सुधारों का वर्ष - भविष्य के लिए परिवर्तन'। रक्षा अधिकारी ने कहा, "सम्मेलन का ध्यान संस्थागत सुधारों, गहन एकीकरण और तकनीकी आधुनिकीकरण के प्रति सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शाहिद अफरीदी ने की राहुल गांधी की तारीफ, भाजपा ने बोला हमला, कहा- कांग्रेस नेता पाकिस्तान के प्रिय

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने मंगलवार को राहुल गांधी की तारीफ की। इसे लेकर भाजपा ने राहुल गांधी पर हमला बोला। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस नेता पाकिस्तान के प्रिय हैं। पाकिस्तान के लोग उन्हें अपना नेता चुन सकते हैं। शाहिद अफरीदी ने राहुल गांधी की सकरात्मक सोच की प्रशंसा की थी। उन्होंने भाजपा सरकार की आलोचना की थी। अफरीदी की टिप्पणी पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी पाकिस्तान के प्रिय रहे हैं। शाहिद अफरीदी और पाकिस्तान के लोग राहुल गांधी को अपना नेता बना सकते हैं। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि हाफिज सईद के बाद अब शाहिद अफरीदी आतंकवाद समर्थक और भारत विरोधी ने राहुल गांधी की प्रशंसा की। इसमें कोई आश्चर्य नहीं! भारत से नफरत करने वाले हर व्यक्ति को राहुल गांधी और कांग्रेस में एक सहयोगी मिल जाता है। सोरोस से लेकर शाहिद तक... कांग्रेस = इस्लामाबाद नेशनल कांग्रेस। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि कट्टर हिंदू-द्वेषी शाहिद अफरीदी जो भारत के खिलाफ जहर उगलने और कश्मीर को पाकिस्तान में शामिल करने का सपना देखने का कोई मौका नहीं छोड़ते, अचानक राहुल गांधी की प्रशंसा करने लगे हैं। अफरीदी कहते हैं कि राहुल पाकिस्तान के साथ बातचीत चाहते हैं, जबकि वह पाकिस्तान के प्रति भारत की नीति की तुलना गाजा में इस्राइल की कार्रवाई से करके प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा क्यों है कि हर भारत-विरोधी व्यक्ति राहुल गांधी में अपना दोस्त ढूंढ लेता है? जब भारत के दुश्मन आपकी जय-जयकार करने लगते हैं, तो भारत के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि आपकी वफादारी किस ओर है। भाजपा के हमलों पर कांग्रेस ने पलटवार किया। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भाजपा नेता अनुराग ठाकुर के साथ अफरीदी की एक तस्वीर साझा की।

25 फीसदी टैरिफ खत्म करो', ट्रेड डील पर भारत-अमेरिका के बीच हुआ मंथन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते से जुड़ी बातचीत का गतिरोध समाप्त होता दिख रहा है। बातचीत सकारात्मक दिशा में अग्रसर हो रही है जो आगे भी जारी रहेगी। दोनों देशों ने आपसी लाभ से जुड़े व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने की दिशा में सहमति जताई है। मंगलवार को नई दिल्ली में अमेरिका के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच और भारत के मुख्य वार्ताकार व वाणिज्य मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में व्यापार संबंधी बातचीत की गई। व्यापार समझौते को लेकर भारत और अमेरिका के बीच जारी वार्ता के अगले चरण को शुरू करने के लिए गत 25 अगस्त को अमेरिकी दल को भारत आना था जिसे टाल दिया गया था। गत 27 अगस्त से अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने का कारण बताते हुए भारत पर और 25 प्रतिशत का शुल्क लगा दिया। इस दौरान अमेरिका और भारत के बीच संबंध तल्ख होते दिख रहे थे। इन सभी वजहों से मंगलवार को हुई बातचीत काफी अहम बताई जा रही है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक बातचीत के दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के महत्व को समझते हुए इसे आगे बढ़ाने की दिशा में अपने-अपने प्रयासों को तेज करने का फैसला किया। बीटीए शुरू करने के दौरान अक्टूबर तक समझौते के पहले चरण को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। वार्ता के दौरान दोनों देशों ने माना कि व्यापार समझौता एक-दूसरे के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है और उसे जल्द पूरा किया जाना चाहिए। गत मार्च में दोनों देशों के बीच बीटीए को लेकर वार्ता शुरू की गई थी और अब तक इस वार्ता के पांच चरण हो चुके हैं। छठे चरण की औपचारिक शुरुआत व अन्य व्यापारिक गतिरोध को लेकर ही मंगलवार को दोनों पक्षों के बीच बैठक का आयोजन किया गया था। हालांकि वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से अगले चरण की वार्ता की शुरुआत की कोई तारीख नहीं बताई गई है, लेकिन माना जा रहा है कि भारत ने अमेरिका से जुर्माने के रूप में वसूले जा रहे 25 प्रतिशत के शुल्क को समाप्त करने के लिए कहा है। अभी अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का शुल्क वसूला जाता है। इनमें 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क है तो 25 प्रतिशत रूस से तेल खरीदने के कारण जुर्माने के रूप में लिया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक व्यापार समझौते की वार्ता में भारत अपने किसान, मछुआरे और डेयरी कारोबारियों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा।

ट्रंप ने पीएम मोदी को फोन पर दी जन्मदिन की बधाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राष्ट्रपति ट्रंप की शुभकामनाओं के लिए उनका धन्यवाद जताया है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को 75 वर्ष के हो जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम को भारत के साथ अपने संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिशों के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत से अमेरिका जाने वाले सामान पर 50 फीसदी टैरिफ के बाद दोनों देशों के संबंध लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत ने 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति की शुभकामनाओं के जवाब में पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, मेरे मित्र, राष्ट्रपति ट्रंप, मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। आपकी तरह मैं भी भारत-अमेरिका के व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपके प्रयासों का समर्थन करते हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी पीएम मोदी से फोन पर वार्ता को लेकर पोस्ट किया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'अभी-अभी अपने मित्र, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं! वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।' आगे उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने में के लिए पीएम मोदी के समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया। वहीं, इससे पहले नई दिल्ली में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता फिर से शुरू हुई है।

पीएम मोदी के जन्मदिवस पर सीएम भजनलाल करेंगे ग्रामीण-शहरी सेवा शिविरों की शुरुआत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) को राज्यभर में विशेष आयोजन किए जाएंगे। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर से ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का शुभारंभ करेंगे। मालवीय नगर स्थित सामुदायिक केंद्र से शहरी सेवा शिविर तथा बस्सी से ग्रामीण सेवा शिविर की शुरुआत की जाएगी। प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक आयोजित होने वाले इन शिविरों के माध्यम से आमजन को त्वरित सेवाएं और योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध होगा। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग की अधिसूचना के अनुसार पिछले वर्षों की बकाया लीज राशि वर्ष 2025-26 तक एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। इसके साथ ही अन्य आकर्षक रियायतें भी दी जाएंगी। शहरी शिविरों में सफाई व्यवस्था सुधार, सड़क मरम्मत-पैचवर्क, सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था, नालियों और सीवर लाइन की मरम्मत जैसे जनोपयोगी कार्य तत्परता से किए जाएंगे। नागरिकों को जन्म, मृत्यु और विवाह पंजीकरण, फायर एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, नामांतरण एवं हस्तांतरण जैसी सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। इसके अलावा पीएम एवं सीएम स्वनिधि योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, वृद्धावस्था एवं विधवा पेंशन जैसी योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। ग्रामीण सेवा शिविरों का आयोजन प्रत्येक पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध रूप से होगा। इन शिविरों में भूमि संबंधी विवादों का समाधान, स्वामित्व योजना के तहत पट्टों हेतु आवेदन व वितरण, किसान एप द्वारा गिरदावरी, गरीबी मुक्त गांव योजना के अंतर्गत बीपीएल परिवारों का सर्वे कराया जाएगा। साथ ही स्वास्थ्य शिविर, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण, यू.डी.आई.डी. कार्ड वितरण जैसी सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। इन शिविरों के दौरान बीज मिनी किट वितरण, स्वच्छता एवं वृक्षारोपण, मूल निवास व जाति प्रमाणपत्र जारी करना, लंबित फार्मर रजिस्ट्री का निस्तारण, जनहानि एवं पशुहानि मामलों में सहायता राशि स्वीकृति जैसी कार्यवाहियां भी होंगी। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इन शिविरों से अंत्योदय की संकल्पना को धरातल पर मूर्त रूप मिलेगा और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

धर्मांतरण विरोधी कानूनों पर रोक की मांग, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला, राज्यों को नोटिस जारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने धर्मांतरण विरोधी कानूनों पर रोक लगाने की मांग पर राज्यों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने मामले को छह सप्ताह बाद सुनवाई के लिए लगाने का आदेश दिया है इस बीच राज्यों को चार सप्ताह में जवाब दाखिल करना है और दो सप्ताह का समय याचिकाकर्ताओं को प्रति उत्तर के लिए दिया गया है। ये आदेश प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और विनोद चंद्रन की पीठ ने विभिन्न राज्यों में लागू किये गए धर्मांतरण विरोधी कानूनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान मंगलवार को दिये। जमीयत उलेमा हिन्द, गैर सरकारी संगठन सिटीजन फॉर जस्टिस एंड पीस सहित कई लोगों ने याचिकाएं दाखिल कर विभिन्न राज्यों के धर्मान्तरण विरोधी कानूनों को चुनौती दी है। इन याचिकाओं के अलावा वकील अश्वनी उपाध्याय ने भी याचिका दाखिल कर रखी है जिसमें धोखे से धर्म परिवर्तन कराने पर रोक लगाने की मांग की गई है। मामले पर सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने कहा कि कई राज्यों ने धर्मांतरण विरोधी कानून बनाए हैं जिसमें सख्त प्राविधान किये गए हैं। उसमें धर्मांतरण पर न्यूनतम सजा 20 वर्ष कैद है और जो बढ़ कर पूरी जिंदगी की कैद हो सकती है। जमानत मिलना भी एक तरह से असंभव है। सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अंतरधर्मीय विवाह करने वालों के लिए बड़ी प्रताड़ना है। वहां तो तीसरे पक्ष को भी शिकायत करने की इजाजत है। सिंह ने कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानून पर अंतरिम रोक लगाने की अर्जी दाखिल की है। साथ ही याचिका में संशोधन की भी अर्जी दी है। वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह मध्य प्रदेश के कानून के खिलाफ दाखिल पेश हो रहीं थीं। वकील वंदा ग्रोवर ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा के धर्मांतरण विरोधी कानूनों पर रोक लगाने की मांग की। लेकिन दूसरी तरफ राज्यों की ओर से पेश एडीशनल सॉलिसिटर जनरल केएन नटराज ने अंतरिम रोक लगाने की मांग का विरोध किया।

गाजूकी में कंपनी पर ठेकेदारों का फूटा गुस्सा, 20 करोड़ बकाया भुगतान अटका - 6 माह से ठेकेदारों की मेहनत की कमाई बंधक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सदर थाना क्षेत्र के गाजूकी गांव में मंगलवार को ठेकेदारों ने एक बड़ी कंपनी के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ठेकेदारों का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन ने 15 से 20 करोड़ रुपये का भुगतान पिछले 5 से 6 महीनों से रोक रखा है। उनका कहना है कि लगातार काम कराने के बावजूद मेहनत की कमाई बंधक बनाकर रखी जा रही है, जिससे परिवार और कारोबार दोनों पर संकट गहरा गया है। विरोध की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँची और स्थिति को संभाला। ठेकेदारों ने आरोप लगाया कि जब-जब वे भुगतान की मांग करते हैं, कंपनी प्रबंधन टालमटोल करता है और अब तो पुलिस बुलाकर उन्हें परिसर से बाहर तक निकाल दिया जाता है। इससे ठेकेदारों में रोष और बढ़ गया। दूसरी ओर, कंपनी मालिकों से इस मामले पर प्रतिक्रिया चाही गई, लेकिन उन्होंने किसी भी तरह का जवाब देने से इनकार कर दिया। ठेकेदारों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये अटके रहने से क्षेत्र की कई छोटी-बड़ी इकाइयाँ भी प्रभावित हो रही हैं। अब सभी की नजर प्रशासन पर है कि वह ठेकेदारों की मेहनत की कमाई दिलाने के लिए क्या कदम उठाता है।

बर्डोद में मावा फैक्ट्री से चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले के बर्डोद कस्बे में अज्ञात चोरों ने बीती रात एमवीएस मावा मैकिंग कम्पनी को निशाना बनाते हुए करीब एक लाख रुपए का सामान चुरा लिया। चोरी की पूरी वारदात फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सुबह जब कर्मचारी फैक्ट्री पहुंचे तो ताले टूटे मिले और सामान गायब था। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की वारदातें हो रही हैं, जिससे लोगों में डर का माहौल है। वहीं पुलिस का कहना है कि फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपी पकड़ लिए जाएंगे।

बाघिन एसटी-2302 ने शावक को जन्म दिया, कैमरे में कैद हुई तस्वीर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सरिस्का टाइगर रिजर्व के लिए खुशखबरी है। बफर रेंज क्षेत्र में बाघिन एसटी-2302 ने शावक को जन्म दिया है। इसकी पुष्टि कैमरा ट्रैप में कैद हुई तस्वीरों से हुई है। वन क्षेत्राधिकारी (डीएफओ) अभिमन्यु सहारण ने बताया कि बाघिन और शावक मुख्य रूप से बाला किला क्षेत्र के करणी माता मंदिर के आसपास विचरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शावक की सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग ने इस इलाके में निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है। अधिकारियों की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं ताकि बाघिन और शावक को किसी भी प्रकार का व्यवधान न हो। वन विभाग ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों से अपील की है कि वे इस क्षेत्र में अनावश्यक आवाजाही से बचें और शोर-शराबा न करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि भीड़भाड़ या लापरवाही से बाघिन व शावक की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। अधिकारी सहारण ने कहा कि यह घटना सरिस्का टाइगर रिजर्व के लिए एक सकारात्मक संकेत है और बाघों की संख्या में वृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण है। विभाग ने सभी से सहयोग की अपील की है ताकि शावक सुरक्षित वातावरण में पनप सके और सरिस्का का बाघ परिवार और मजबूत हो सके।

बिना रजिस्ट्रेशन के 45 से अधिक कार बाजार, परिवहन विभाग की ढिलाई से सरकार को हो रही राजस्व हानि

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे कार बाजारों पर परिवहन विभाग की अनदेखी लगातार सवाल खड़े कर रही है। करीब 45 से अधिक कार बाजार बिना किसी रजिस्ट्रेशन के खुलेआम व्यापार कर रहे हैं, लेकिन विभाग की ओर से अब तक एक भी बाजार पर कार्रवाई नहीं हुई है। नतीजा यह है कि नियम विरुद्ध कारोबार से न केवल सरकार को भारी राजस्व हानि हो रही है, बल्कि उपभोक्ता भी असुरक्षित स्थिति में गाड़ी खरीदने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार, परिवहन विभाग के पास इन कार बाजारों का कोई रिकॉर्ड तक उपलब्ध नहीं है। अव्यवस्था का आलम यह है कि परिवहन आयुक्त के सख्त निर्देश भी अलवर परिवहन विभाग के अधिकारियों पर बेअसर साबित हुए। विभाग ने महज खानापूर्ति करते हुए कुछ माह पहले अवैध कार बाजारों का सर्वे कराया और संचालकों को रजिस्ट्रेशन कराने के नोटिस जारी कर दिए। इसके बाद कार्रवाई पूरी तरह ठंडे बस्ते में चली गई। करीब डेढ़ साल पहले तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं परिवहन आयुक्त मनीषा अरोड़ा ने पूरे प्रदेश में ऐसे अवैध बाजारों पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए थे। उस समय सभी जिलों के आरटीओ और डीटीओ कार्यालयों को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन अलवर में अब तक किसी भी बाजार का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ। विभागीय रिकॉर्ड गवाही देते हैं कि पिछले 10 से 15 वर्षों में इस दिशा में एक भी ठोस कदम नहीं उठाया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति केवल राजस्व हानि तक सीमित नहीं है। कई कार बाजार संचालक पुरानी गाड़ियों में सीएनजी किट लगवाकर फ्यूल टाइप में बदलाव किए बिना ही उन्हें ग्राहकों को बेच रहे हैं। परिवहन नियमों के मुताबिक ऐसा करना अवैध है और इसमें भारी जुर्माना व वाहन जब्ती का प्रावधान है। इसके बावजूद विभाग ने अब तक कोई सख्ती नहीं दिखाई।

अलवर लोकसभा क्षेत्र के विकास हेतु नई दिल्ली में उच्च स्तरीय बैठक, सड़क नेटवर्क विस्तार से उद्योग व ग्रामीण समृद्धि को मिलेगा बल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर लोकसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति देने के लिए मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव की संयुक्त अध्यक्षता में दूसरी उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के वरिष्ठ अधिकारी, जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में अलवर लोकसभा क्षेत्र की सड़क विकास आवश्यकताओं, प्रगतिरत कार्यों और नए प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर नितिन गडकरी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को समयबद्ध व गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क नेटवर्क मजबूत होने से न केवल कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी सुधार होगा, बल्कि क्षेत्र में औद्योगिक विकास, पर्यटन, रोजगार सृजन और ग्रामीण समृद्धि को भी नया बल मिलेगा।

महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं पर मंथन

बैठक में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, सरिस्का एलिवेटेड रोड परियोजना, पनियाला-बड़ौदा मेव एक्सप्रेसवे और CRIF योजनाओं जैसी सौगातों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधि मंडल ने इन परियोजनाओं के लिए आभार जताया और भिवाड़ी की प्रसिद्ध हस्तशिल्प सामग्री व अलवर का मशहूर कलाकंद भेंट किया। सड़क परियोजनाओं से कनेक्टिविटी बढ़ने के साथ-साथ स्थानीय उद्योगों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। विशेष रूप से सरिस्का एलिवेटेड रोड से टाइगर रिजर्व में वन्यजीव सुरक्षा और सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण में मदद मिलेगी।

भिवाड़ी की जलभराव समस्या पर गहन चर्चा

बैठक में तिजारा विधानसभा क्षेत्र के भिवाड़ी की वर्षों पुरानी जलभराव समस्या पर भी मंथन हुआ। भूपेंद्र यादव ने बताया कि औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले दूषित जल को 6 एमएलडी सीईटीपी के माध्यम से शोधित कर पुनः उपयोग में लिया जा रहा है, वहीं 34 एमएलडी के एसटीपी पर कार्य प्रगति पर है। उन्होंने नेशनल हाईवे पर जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान निकालने हेतु केंद्र और राज्य स्तर की संयुक्त बैठक बुलाने का सुझाव दिया, जिसे नितिन गडकरी ने स्वीकार करते हुए शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिए। नीमराना से भिवाड़ी तक प्रस्तावित सड़क को भिवाड़ी से केएमपी तक बढ़ाने के प्रस्ताव पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। इसके निर्माण से उद्योगों को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और केएमपी से बेहतर संपर्क मिलेगा, जिससे लॉजिस्टिक लागत घटेगी और जाम की समस्या से राहत मिलेगी।

राजगढ़ और लक्ष्मणगढ़ क्षेत्रों में विकास कार्य

राजगढ़ और लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्रों के लिए एनएच 921 के चौड़ीकरण कार्य को तेज करने के निर्देश दिए गए। महुआ, मंडावर, गढ़ी सवाईराम और माचाड़ी में बाईपास निर्माण तथा पुनर्संरेखण प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। साथ ही रैणी से पंचमुखी हनुमानजी बांदीकुई मार्ग (एमडीआर 326 व 447) को सीआरआईएफ योजना में शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया। भूपेंद्र यादव ने भिवाड़ी से सिकंदरा तक स्टेट हाईवे 25 को नेशनल हाईवे घोषित करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि इस मार्ग का उपयोग अलवर, दौसा, जयपुर, करौली, सवाई माधोपुर और हरियाणा के लोग करते हैं, विशेषकर मेहंदीपुर बालाजी के दर्शनार्थ यात्री। इस पर गडकरी ने इसे गति शक्ति योजना में प्रस्तावित कर आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया।

रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में बड़े बदलाव

बैठक में रामगढ़ क्षेत्र में बगड़ तिराहा से नौगांव सेक्शन (एनएच 248ए) की 2 लेन सड़क को 4 लेन शोल्डर सड़क के रूप में चौड़ा करने का प्रस्ताव रखा गया। यह काम एनसीआर क्षेत्र में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करेगा। साथ ही रामगढ़ बाईपास और रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू करने के लिए सहमति बनी। केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इन प्रस्तावों पर त्वरित कार्यवाही की जाए।

बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र में राहत के काम

बैठक में बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र से गुजरने वाले दिल्ली-जयपुर एनएच 48 की मरम्मत और नवीनीकरण कार्य को तीन माह में गुणवत्ता सहित पूरा करने के निर्देश दिए गए। यहां अंडरपास और फ्लाईओवर निर्माण पर सहमति बनी। जैनपुरवास और जागुवास ब्रिज के अधूरे कामों को जल्द पूरा कराने और दहमी क्रॉसिंग पर उचित मार्किंग कराने पर भी जोर दिया गया। साथ ही एनएच 48 टोल प्लाजा पर स्थानीय लोगों को छूट देने की मांग को मंत्री ने सकारात्मक रूप से लिया।

मुंडावर क्षेत्र में सर्विस रोड का निर्माण

मुंडावर विधानसभा क्षेत्र में पनियाला-बड़ौदा मेव एक्सप्रेसवे पर घनी आबादी वाले क्षेत्रों में सर्विस रोड और लिंक रोड निर्माण का प्रस्ताव रखा गया। भूपेंद्र यादव ने कहा कि किसान और छोटे व्यवसायी एप्रोच रोड की कमी से प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए इनके निर्माण से स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। गडकरी ने इस पर अधिकारियों को सर्वे कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

विकास की नई दिशा

बैठक में यह भी तय किया गया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जुड़ने वाले इंटरचेंज और लिंक रोड्स का विकास कर आसपास के गांवों को सीधे जोड़ा जाएगा। इससे सामाजिक और आर्थिक विकास को नया आयाम मिलेगा। भूपेंद्र यादव ने बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आधुनिक बुनियादी ढांचे की ओर बढ़ रहा है। अलवर क्षेत्र में सड़क परियोजनाओं के माध्यम से उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, पर्यटन को गति मिलेगी और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। बैठक में वन राज्य मंत्री संजय शर्मा, तिजारा विधायक महंत बालक नाथ, रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, पूर्व विधायक, पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सरिस्का बाघ परियोजना में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सरिस्का बाघ परियोजना परिसर में सोमवार 16 सितंबर को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे आयोजित इस शिविर में जयपुर के निम्स हॉस्पिटल से आई विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने भाग लेकर उपस्थित स्टाफ को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं जांच सेवाएं प्रदान कीं। वन विभाग की पहल पर आयोजित इस शिविर में कार्यालय स्टाफ, फील्ड स्टाफ, टाइगर ट्रैकर, नेचर गाइड, वाहन चालक और अन्य सहयोगी कार्मिकों ने भाग लिया। सभी ने चिकित्सकों से अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया और आवश्यक परामर्श लिया। अधिकारियों ने बताया कि सरिस्का जैसा कठिन वन क्षेत्र फील्ड स्टाफ के लिए हमेशा चुनौतीपूर्ण रहता है। यहां कार्य करने वाले कर्मचारियों को मौसम के उतार-चढ़ाव, शारीरिक मेहनत और जंगल की परिस्थितियों से जूझना पड़ता है। ऐसे में उनके स्वास्थ्य की समय-समय पर जांच करना बेहद जरूरी है। शिविर के दौरान चिकित्सकों ने फील्ड स्टाफ को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वच्छता पर ध्यान देने की सलाह दी। साथ ही सामान्य बीमारियों की रोकथाम और शुरुआती लक्षणों पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करने की भी जानकारी दी। वन विभाग अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे शिविर नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाएंगे, ताकि वन्यजीव संरक्षण से जुड़े सभी कार्मिक स्वस्थ रहकर अपने कर्तव्यों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकें।

राजगढ़ में जनजातीय विकास कार्यशाला: 29 गांवों के लिए तैयार हुई रणनीति

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा राजगढ़

राजगढ़ पंचायत समिति सभागार में धरती आभा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें 17 विभागों के अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हुए। विकास अधिकारी विक्रम सिंह गुर्जर ने बताया कि यह अभियान बिरसा मुंडा जयंती पर शुरू किया गया था। ब्लॉक में चयनित 29 गांवों में सेवा वितरण और जनजातीय विकास प्रणाली को मजबूत करने के निर्देश दिए गए। कार्यशाला में पंचायती राज, ग्रामीण विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी और महिला एवं बाल विकास विभाग ने भाग लिया। महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने योजनाओं का चार्ट प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सरपंच मुकेश मंडावरी, अतिरिक्त सहायक विकास अधिकारी बृजेंद्र सिंह बबेली, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोहित गोयल समेत ग्राम विकास अधिकारी, मास्टर ट्रेनर और वन विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी विभागों को चयनित गांवों के समग्र विकास के लिए कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया गया।

सुपर एक्सप्रेस-वे पर खड़े ट्रक से कार टकराई, एक ही परिवार के चार जने घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

दिल्ली से जयपुर जा रहे एक परिवार की कार मंगलवार को सुपर एक्सप्रेस-वे पर पिनान रेस्ट एरिया के सामने खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से पिता और पुत्र की हालत नाजुक बताई जा रही है। चिकित्सकों ने दोनों को हायर सेंटर रेफर किया है। सूत्रों के अनुसार, इंदिरापुरम (दिल्ली) निवासी मनोज कुमार अपने परिवार के साथ किसी विशेष प्रयोजन से जयपुर जा रहे थे। रास्ते में जैसे ही उनकी कार पिनान रेस्ट एरिया के सामने पहुंची, सडक़ पर खड़े ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में 40 वर्षीय मनोज कुमार, उनकी पत्नी 37 वर्षीय मुस्कान, 17 वर्षीय पुत्र आर्यन और 5 वर्षीय पुत्री आर्ची गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को तुरंत पिनान आदर्श सीएचसी ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद मुस्कान और आर्यन को गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि परिवार रेस्ट एरिया में स्थित होटल पर खाना खाने जा रहा था। इसी दौरान तेज धमाके की आवाज के साथ हादसा हो गया। शोर सुनकर होटल कर्मचारी व अन्य लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकाला। सूचना मिलने पर एनएचएआई की 1033 हेल्पलाइन टीम एम्बुलेंस लेकर मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय लोगों ने बताया कि रेस्ट एरिया जोन में ट्रकों की पार्किंग की व्यवस्था होने के बावजूद कई चालक सडक़ किनारे ही वाहन खड़े कर देते हैं। यही लापरवाही अक्सर हादसों का कारण बनती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन ऐसे चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे और एक्सप्रेस-वे पर निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

भूजल विधेयक बना, लेकिन अलवर में धड़ल्ले से हो रहे अवैध बोरिंग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राजस्थान सरकार ने हाल ही में भूजल (संरक्षण एवं प्रबंधन) प्राधिकरण विधेयक 2025 पारित कर भूजल संरक्षण को कानूनी ढांचा दिया है। इस नए कानून में डार्क जोन में बिना अनुमति ट्यूबवेल या बोरिंग करने वालों पर छह माह की जेल और 50 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। लेकिन अलवर शहर में हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। दर्जनभर से ज्यादा स्थानों पर निर्माणाधीन भवनों में खुलेआम अवैध बोरिंग कर भूमिगत जल का दोहन किया जा रहा है। शहर के रेलवे स्टेशन से नेहरू उद्यान मार्ग पर निर्माणाधीन एक बड़े होटल में हाल ही में कई बोरिंग किए गए हैं। इनमें से किसी के पास भी एनओसी नहीं है। इसी तरह बैंक कॉलोनी एरिया में भी भवन निर्माण कार्य चल रहा है और वहां भी भूमिगत जल का उपयोग किया जा रहा है। नंगली सर्किल से लेकर 200 मीटर के दायरे में चार बड़े व्यावसायिक भवन खड़े हो रहे हैं, जिनमें बोरिंग कर पानी निकाला जा रहा है। गौरव पथ पर तीन बड़े निर्माण कार्यों में भी भूमिगत जल का सीधा उपयोग हो रहा है। यही स्थिति बिजलीघर से रेलवे स्टेशन मार्ग, होप सर्कस, भगत सिंह से 200 फीट रोड और जेल सर्किल के आसपास देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अफसरों को नए कानून की पालना सुनिश्चित कराने के लिए शहरी क्षेत्रों का लगातार निरीक्षण करना चाहिए था। लेकिन वास्तविकता यह है कि नियम बनने के बाद भी न तो कोई कार्रवाई हुई और न ही निगरानी। यही वजह है कि भवन निर्माणकर्ता धड़ल्ले से अवैध बोरिंग कर रहे हैं। जल संरक्षण विशेषज्ञों का कहना है कि अलवर जिला पहले से ही डार्क जोन घोषित है। यहां हर साल भूमिगत जल स्तर तेजी से गिरता जा रहा है। इस पर अंकुश लगाने के लिए ही नया कानून लाया गया, ताकि अनुमति और शुल्क व्यवस्था से पानी के दोहन पर नियंत्रण हो सके। लेकिन अगर जमीनी स्तर पर इसकी अनुपालना नहीं हुई तो कानून बनने का उद्देश्य ही अधूरा रह जाएगा। नियमों के अनुसार बिना अनुमति बोरिंग करने पर छह माह की जेल और एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अलावा पानी की बर्बादी रोकने के लिए घरेलू कनेक्शन का व्यावसायिक उपयोग करने या बेवजह पानी बहाने पर भी सख्त दंड का प्रावधान है। फिलहाल अलवर शहर में जो हालात बने हुए हैं, उससे साफ है कि भवन निर्माणकर्ताओं और ट्रांसपोर्ट कारोबारियों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए प्रशासन को कड़ा कदम उठाना होगा। अन्यथा शहर की पानी की समस्या और विकराल रूप धारण कर सकती है।

राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय में एनसीसी कैडेटों की भर्ती 18 सितम्बर को

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय, अलवर में अध्ययनरत बी.कॉम एवं बीबीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एनसीसी इकाई में नए कैडेटों की भर्ती की जा रही है। भर्ती प्रक्रिया 18 सितम्बर 2025 (गुरुवार) को प्रातः 7.30 बजे राजर्षि महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित होगी। इच्छुक छात्र-छात्राओं को निर्देश दिया गया है कि वे 17 सितम्बर दोपहर 2.00 बजे तक अनिवार्य रूप से महाविद्यालय के सीटीओ/एनसीसी प्रभारी सहायक आचार्य राजेंद्र कुमार मीना से संपर्क करें। भर्ती के दिन विद्यार्थियों को समय पर निर्धारित स्थल पर पहुँचकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ खेलकूद/शारीरिक परीक्षण हेतु उपयुक्त परिधान पहनकर आना होगा। चयन प्रक्रिया शारीरिक क्षमता, अनुशासन एवं अन्य निर्धारित मानदंडों के आधार पर की जाएगी। प्राचार्य डॉ. सत्यभान यादव ने बताया कि इस वर्ष महाविद्यालय को एनसीसी इकाई का आवंटन हुआ है। उन्होंने कहा कि एनसीसी से जुड़ने वाले विद्यार्थियों को न केवल अनुशासन एवं नेतृत्व गुण विकसित करने का अवसर मिलेगा, बल्कि भविष्य में रोजगार और कैरियर निर्माण में भी यह प्रशिक्षण सहायक सिद्ध होगा।

लैब स्टाफ की और से "नई पहल मुस्कान" का शुभारंभ किया गया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा के उप जिला चिकित्सालय के जनहित कल्याणकारी सोच की पालना में, डॉक्टर प्रवीण शर्मा प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं भामाशाह बाबूलाल प्रजापति द्वारा "नई पहल मुस्कान" का शुभारंभ किया गया। लैब प्रभारी नवल किशोर ने बताया की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए उप जिला चिकित्सालय में जल्दी रिपोर्ट का वितरण तथा छुट्टी के दिन भी ओपीडी जांच करने के साथ ही आज बच्चों को सूई के दर्द के बाद खुश करने के लिए, ग्लूकोस बिस्किट देकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए समस्त लैब स्टाफ की ओर से नवीन पहला मुस्कान का शुभारंभ

डॉक्टर प्रवीण शर्मा पीएमओ एवं भामाशाह बाबूलाल प्रजापति द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए बाबूलाल प्रजापति सेवानिवृत प्रधानाध्यापक मुख्य संरक्षक प्रजापति समाज जिला खैरथल तिजारा द्वारा?2100 का सहयोग किया गया। तिजारा और आसपास के ग्रामीणों ने इस नई पहल का स्वागत किया है।

बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता जी.डी. गोयंका स्कूल भिवाड़ी में आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

जी.डी. गोयंका पब्लिक स्कूल भिवाड़ी में शनिवार को बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के सही उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में नर्सरी से लेकर प्राथमिक कक्षा तक के बच्चों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने प्लास्टिक की बोतलों, अखबारों, पुराने कपड़ों, कार्डबोर्ड, सीडी और अन्य बेकार पड़ी वस्तुओं से सुंदर एवं आकर्षक परिधान तैयार किए। बच्चों ने मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रस्तुति दी और दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों में नवाचार और आत्मविश्वास विकसित करती हैं। निर्णायक मंडल ने रचनात्मकता, प्रस्तुति और संदेश को आधार मानकर विजेताओं का चयन किया। कार्यक्रम के अंत में प्रिंसिपल ने सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से हम पर्यावरण संरक्षण की बड़ी पहल कर सकते हैं।

आज से जिले में लगेंगे ग्रामीण सेवा शिविर, आमजन को एक ही स्थल पर मिलेगी सरकारी योजनाओं का लाभ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुँचाने के उद्देश्य से जिले में 17 सितम्बर से "ग्रामीण सेवा शिविरों" का आयोजन किया जाएगा। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने बताया कि शिविरों के प्रभावी संचालन हेतु शिविर प्रभारी और सहायक शिविर प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर खैरथल-तिजारा को जिला नोडल अधिकारी बनाया गया है, जबकि प्रत्येक उपखण्ड अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के नोडल अधिकारी रहेंगे। शिविरों में विभिन्न विभाग दिए गए कार्यों के अनुसार अपने-अपने कार्यों का निष्पादन करेंगे। शिविरों का शुभारंभ 17 सितम्बर को होगा, जिसमें किशनगढ़बास उपखण्ड की महरमपुर एवं कोलगांव, कोटकासिम उपखण्ड की घीकाका और गुणसार, मुण्डावर उपखण्ड की मानका एवं शीलगांव, तिजारा उपखण्ड की गोठड़ा एवं भिण्डूसी तथा टपूकड़ा उपखण्ड की सलारपुर और महेशरा ग्राम पंचायतों में अटल सेवा केन्द्रों पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। 18 सितम्बर को खानपुर मेवान, घासोली, खानपुर अहीर, पुर, बावद, बासनी, गहनकर, राईखेडा, जोडिया मेव तथा कारेण्डा में शिविर लगेंगे। 19 सितम्बर को बम्बोरा, दोंगड़ा, लाडपुर, टेऊवास, पलावा, सिहाली खुर्द, शाहबाद, खलीलपुरी, खिदरपुर और मिठीयावास ग्राम पंचायतें शिविर स्थल रहेंगी। इन शिविरों में ग्रामीण जनता को सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आय प्रमाण पत्र, जनाधार, राजस्व से जुड़े कार्य, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, कृषि एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और सुविधाएं एक ही स्थल पर उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला कलेक्टर ने बताया कि ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन को मौके पर योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा।

बीड़ा तहसीलदार पर 10 हजार का जुर्माना: RTI में जानकारी नहीं देने पर सूचना आयोग की कार्रवाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी,

राजस्थान सूचना आयोग ने भिवाड़ी इंटीग्रेटेड विकास प्राधिकरण (बीड़ा) के तत्कालीन तहसीलदार शैतान सिंह यादव पर सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के उल्लंघन के लिए 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई हरियाणा के चरखी दादरी निवासी प्रमोद कुमार गुप्ता की शिकायत पर की गई, जिन्होंने तहसीलदार द्वारा RTI के तहत मांगी गई जानकारी नहीं देने और आयोग के आदेशों की अवहेलना का आरोप लगाया था। जुर्माने की राशि तहसीलदार के वेतन से काटकर 30 दिनों के भीतर राजस्थान सूचना आयोग, जयपुर को डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करने का निर्देश दिया गया है।मामला टपूकड़ा की क्रिश सिटी सोसाइटी 2 से जुड़ा है, जहां प्रमोद कुमार ने फ्लैट खरीदा था। सोसाइटी में सुविधाओं और बिल्डर की अनियमितताओं को लेकर उन्होंने 26 जून 2023 को बीड़ा तहसीलदार को शिकायत पत्र सौंपा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद, प्रमोद ने मामले की जानकारी के लिए 10 दिसंबर 2024 को RTI दायर की। तहसीलदार ने न तो इसका जवाब दिया और न ही आयोग के आदेशों का पालन किया। आयोग ने 1 मई 2025 को द्वितीय अपील में आदेश जारी किया था, जिसकी अनदेखी होने पर 10 जून, 2 जुलाई, 22 अगस्त और 25 जुलाई को नोटिस भेजे गए। तहसीलदार ने इन नोटिसों का जवाब नहीं दिया और न ही सुनवाई में उपस्थित हुए।सूचना आयुक्त सुरेश चंद गुप्ता ने अपने निर्णय में कहा कि तहसीलदार का यह कृत्य RTI अधिनियम के प्रति गंभीर लापरवाही दर्शाता है। उन्होंने

तहसीलदार को दोषी ठहराते हुए जुर्माना लगाया और आदेश की प्रति परिवादी, प्रत्यर्थी, लेखा शाखा, और जिला कलेक्टर, खैरथल-तिजारा को भेजी। यह मामला RTI के तहत पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में आयोग की सख्ती को दर्शाता है।यह घटना नागरिकों के सूचना के अधिकार की महत्ता को रेखांकित करती है और अधिकारियों को समयबद्ध जवाबदेही सुनिश्चित करने की चेतावनी देती है।

पुलिस का मूल कर्तव्य कानून व्यवस्था व लोक व्यवस्था को स्थापित रखना है-प्रशांत किरण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा थाना अधिकारी महेंद्र सिंह यादव का उप निरीक्षक से निरीक्षक के पद पर पदोन्नति होने पर स्वागत कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक प्रशांत किरण की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सभी ने महेंद्र सिंह यादव की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए बधाई दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक प्रशांत किरण ने महेंद्र सिंह यादव को बधाई देते हुए कहा कि पुलिस का मूल कर्तव्य कानून व्यवस्था व लोक व्यवस्था को स्थापित रखना तथा अपराध नियंत्रण व निवारण तथा जनता से प्राप्त शिकायतों का निस्तारण करना है ।जिसे हमारे अधिकारी बेखुबी से निभा रहे हैं।इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक शिवराज सिंह, थानाधिकारी राजीव शर्मा, जितेन्द्र प्रसाद, हनुमान यादव, विक्रम सिंह, लोकेश मीणा,चिरंजीलाल चावडा पुर्व प्रधान, रामेश्वर सैनी पुर्व अध्यक्ष , झब्बुराम सैनी सभापति, मुन्नीलाल गुर्जर, बने सिंह बिधूड़ी, मंगतुराम सैनी, कपिल गुप्ता, रतिराम यादव सरपंच, रघुबीर चौधरी,शमशुद्दीन सरपंच, अशोक सरपंच, इलियास सरपंच, गौरीशंकर खत्री, धोलाराम यादव, यशपाल आचार्य, अनिल पार्षद, शीशराम ठेकेदार, सुभाष सैनी, बुधन गुर्जर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।मचसंचालन देशपाल यादव ने किया।

जिला स्तरीय अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता में प्राइम रोज स्कूल गेलपुर ने जीता गोल्ड मेडल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आयोजित जिला स्तरीय अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता में प्राइम रोज स्कूल, गेलपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। प्रतियोगिता में जिलेभर से कई विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया, लेकिन फाइनल मुकाबले में प्राइम रोज स्कूल ने अपने उत्कृष्ट खेल से सभी का दिल जीत लिया। टीम के खिलाड़ियों ने बेहतरीन बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी के दम पर प्रतिद्वंद्वी टीम को परास्त किया। कप्तान के नेतृत्व में टीम ने संयम और खेल भावना का परिचय देते हुए जीत हासिल की। निर्णायक क्षणों में बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ रन बनाए वहीं गेंदबाजों ने विपक्षी टीम को संभलने का मौका नहीं दिया। विद्यालय प्रबंधन ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रिंसिपल ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत और कोचिंग स्टाफ की मेहनत का परिणाम है। प्रतियोगिता आयोजकों ने भी प्राइम रोज स्कूल की टीम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों में खेलों के प्रति रुचि और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास होता है।

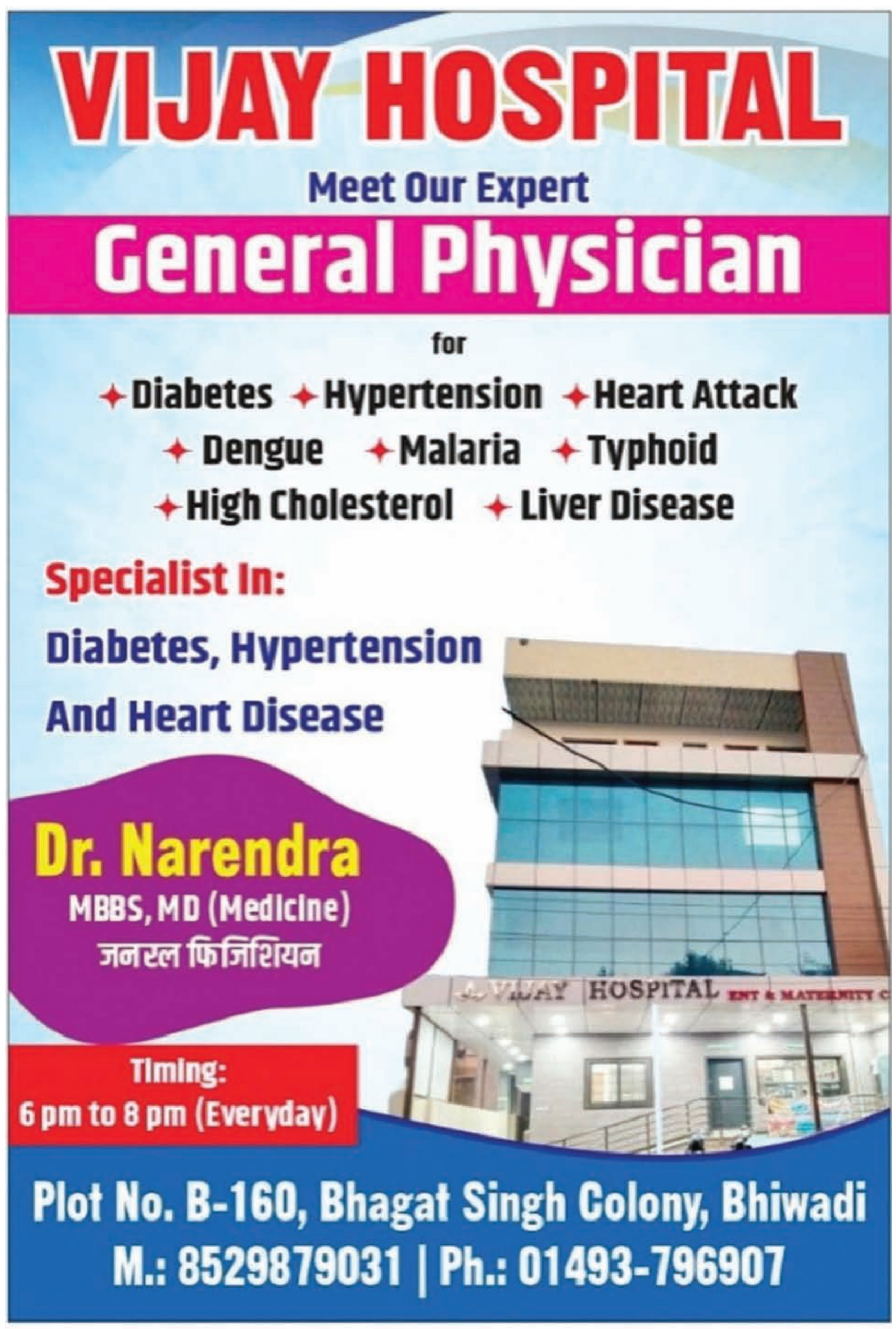

प्रधानमंत्री का संवाद देश और दिलों को जोड़ता है

प्रो. संजय द्विवेदी

गुजरात के एक छोटे से कस्बे बड़नगर में पले-बढ़े नरेंद्र मोदी में ऐसा क्या है जो लोंगों को सम्मोहित करता है? उनकी राजनीतिक यात्रा भी विवादों से परे नहीं रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें जिस तरह निशाना बनाकर उनकी छवि मलिन करने के सचेतन प्रयास हुए, वे सारे प्रसंग लोकविमर्श में हैं।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना 75 वां जन्मदिन बुधवार को मनाएंगे। उनकी जीवन यात्रा रचना, सृजन और संघर्ष की त्रिवेणी है। उनके व्यक्तित्व का सबसे खास पक्ष है संचार और संवाद।

भारत जैसे महादेश को संबोधित करना आसान नहीं है। इस विविधता भरे देश में वाक चातुर्य से भरे विद्वानों, राजनेताओं, प्रवचनकारों और अदीबों की कमी नहीं है। अपनी वाणी से सम्मोहित कर लेने वाले अनेक विद्वानों को हमने सुना और परखा है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की क्षमताएं उनमें विलक्षण हैं। वे हमारे समय के अप्रतिम संचारकर्ता हैं। संचार का विद्यार्थी होने के नाते मैं उनकी तरफ बहुत विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखता हूं, किंतु वे अपनी देहभाषा, भाव-भंगिमा, शब्दावली और वाक चातुर्य से जो करते हैं, उसमें कमियां ढूंढ पाना मुश्किल है। उनका आत्मविश्वास और शैली तो विलक्षण है ही, वे जो कहते हैं उस बात पर भी सहज विश्वास करने का मन होता है। मोदी सही मायने में संवाद के महारथी हैं। वे जनसभाओं के नायक हैं तो एक्स जैसे नए माध्यमों पर भी उनकी तूती बोलती है। पारंपरिक मंचों से लेकर आधुनिक सोशल मीडिया मंचों पर उनकी धमाकेदार उपस्थिति बताती है संवाद और संचार को वे किस बेहतर अंदाज में समझते हैं।

गुजरात के एक छोटे से कस्बे बड़नगर में पले-बढ़े नरेंद्र मोदी में ऐसा क्या है जो लोंगों को सम्मोहित करता है? उनकी राजनीतिक यात्रा भी विवादों से परे नहीं रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें जिस तरह निशाना बनाकर उनकी छवि मलिन करने के सचेतन प्रयास हुए, वे सारे प्रसंग लोकविमर्श में हैं। बावजूद इसके वे हिंदुस्तानी समाज के नायक बने हुए हैं तो इसके पीछे उनकी संप्रेषण कला और देहभाषा का अध्ययन प्रासंगिक हो जाता है। नरेंद्र मोदी देश के ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो कभी सांसद नहीं थे और पहली बार लोकसभा पहुंचकर देश के प्रधानमंत्री बने। 2014 के आमचुनावों की याद करें तो देश किस तरह निराशा और अवसाद से भरा हुआ था। लोग राजनीति और राजनेताओं से उम्मादें छोड़ चुके थे। अन्ना आंदोलन से एक अलग तरह का गुस्सा लोगों के मन में पनप रहा था। तभी एक आवाज गूंजती है 'मैं देश नहीं झुकने दूंगा।' दूसरी आवाज थी 'अच्छे दिन आने वाले हैं।' ये दो आवाजें थीं नरेंद्र मोदी की, जो देश को एक विकल्प देने के लिए मैदान में थे। राजनीति में आश्वासनपरक आवाजों का बहुत मतलब नहीं होता, क्योंकि राजनीति तो सपनों और

आश्वासनों के आधार पर ही की जाती है। किंतु नरेंद्र मोदी ने इस दौर में जो कुछ कहा उसे देश ने बहुत ध्यान से सुना। उनका दल लंबे समय से सत्ता से बाहर था और वे अपने दल की ओर से प्रधानमंत्री के उम्मीदवार बनाए जा चुके थे। जाहिर है अवसाद और निराशा से भरी जनता को एक अवसर था परख करने का। मोदी इस अवसर का लाभ उठाते हैं और जनता के मन में भरोसा जगाने का प्रयास करते हैं। वे लगातार अपनी सभाओं में कहते हैं कि वे ही इस देश को उसके संकटों से उबार सकने की क्षमता से लैस हैं। जनता मुग्ध होकर उनके भाषणों को सुनती है। अपनी अप्रतिम संवादकला से वे लोगों में यह भरोसा जगाने में सफल हो जाते हैं कि वे कुछ कर सकते हैं।

2014 में मोदी सत्ता में आते हैं और संचार के सबसे प्रभावकारी माध्यम को साधते हैं। वे आकाशवाणी पर 'मन की बात' के माध्यम से लोगों से संवाद का अवसर चुनते हैं। यानि उनका संवाद अवसर और चुनाव केंद्रित नहीं है, निरंतर है। उनमें एक सातत्य है। बदलाव के लिए, परिवर्तन के लिए, लोकजागरण के लिए। वे मन की बात को राजनीतिक विमर्शों के बजाए लोकविमर्शों का केंद्र बनाते हैं। जिसमें जिंदगी की बात है, सफाई की बात है, शिक्षा और परीक्षा की बात है, योग की बात है। मन की बात के माध्यम से वे खुद को एक ऐसे अभिभावक की तरह पेश करने में सफल होते हैं, जिसे देश और देशवासियों की चिंता है। संवाद की यही सफलता है और यही उसका उद्देश्य है। अपने लक्ष्य समूह को निरंतर अपने साथ जोड़े रखना मोदी की संवाद कला की दूसरी सफलता है। करोना संकट में भी हमने देखा कि उनकी अपीलों को किस तरह जनमानस ने स्वीकार किया, चाहे वे करोना वारियर्स के सम्मान में दीप जलाने और थाली बजाने की ही क्यों न हों। यह बातें बताती हैं कि अपने नायक पर देश का भरोसा किस तरह कायम है।

मोदी अपनी देहभाषा से कमाल करते हैं। कई बार चौंकाते भी हैं। देश की गहरी समझ भी इसका बड़ा कारण है, यही कारण है वे देश के जिस हिस्से में होते हैं वहां की स्थानीय बोली, वस्त्रों और प्रतीकों का सचेत इस्तेमाल करते हैं। इसके साथ ही उनकी पोशाकें, उनका हाफ कुर्ता, जैकेट्स आज एक तरह से स्टाइल स्टेटमेंट है। उनका अनुसरण कर नौजवान आज खद्दर और सूती कपड़ों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। हम विश्लेषण करें तो पाते हैं कि उनका समर्पित जीवन और ईमानदारी से उनकी वाणी का भी एक रिश्ता है। जब हम सिर्फ बोलते हैं तो उसका असर अलग होता है। किंतु अगर हम जो बोलते हैं उसमें कृतित्व भी शामिल हो तो बात का असर बढ़ जाता है। नरेंद्र मोदी अपनी असंदिग्ध ईमानदारी, राष्ट्रनिष्ठा और देशभक्ति के प्रतीक हैं। उनका समूचा जीवन राष्ट्र के लिए अर्पित है। ऐसा व्यक्ति जब कोई बात कहता है तो उसका असर बहुत ज्यादा होता है। क्योंकि आपकी वाणी को आपके जीवन का समर्थन है। सिर्फ देश की बात करना और देश के लिए जीना दो बातें हैं। मुझे लगता है जीवन और कर्म में एक रूप होने के नाते मोदी बाकी राजनेताओं से बहुत आगे निकल जाते हैं। क्योंकि उनकी राष्ट्रनिष्ठा पर सबको भरोसा है, इसलिए उनकी वाणी पर भी सहज विश्वास आता है। इस तरह उनकी वाणी 'भाषण' न होकर 'ह्दय से ह्दय के संवाद' में बदल जाती है। लोंगों को भरोसा है कि वे हमारी ही बात कर रहे हैं और हमारे लिए ही कर रहे हैं। मोदी ने अपनी साधारण पृष्ठभूमि की बात कभी छिपाई नहीं, जब भी उनकी साधारण स्थितियों का मजाक बनाया गया तो उसे भी उन्होंने एक सफल अभियान में बदल दिया। 'चाय पर चर्चा' का कार्यक्रम किस तरह बना, उसके संदर्भ हम सबके ध्यान में हैं। नरेंद्र मोदी सही मायने में सामान्य जनों में भरोसा जगाते हैं कि अगर संकल्प हों, इच्छाशक्ति हो तो व्यक्ति क्या नहीं कर सकता। यह एक बात लोगों को उनसे कनेक्ट करती है। अनेक राजनेता हैं, जो साधारण पृष्ठभूमि से आए हैं। किंतु उनका या तो अपनी जड़ों से उनका रिश्ता टूट गया है या वे उन विथिकाओं को याद नहीं करना चाहते। जबकि नरेंद्र मोदी अपनी जड़ों को नहीं भूलते वे हमेशा उसे याद करते हैं और खुद पर भरोसा करते हैं। यही कारण है उनका कनेक्ट सीधा जनता से बनता है। वे प्रधानमंत्री होकर भी अपने से नजर आते हैं। संचार, संवाद और पोजिशिनिंग की यह कला उनमें सहज है। बिना जतन के भी वे इन सबको साधते हैं और साधते रहेंगें क्योंकि आसमान पर होकर भी माटी की सोंधी महक उन्हें जड़ों से जोड़े रखती है। इसलिए उनका संवाद दिलों को जोड़ता है, देश को भी।

संपादकीय

खेलों में स्वर्णिम दिन

भारतीय खेलों के लिए बीता रविवार यानी 14 सितम्बर का दिन स्वर्णिम साबित हुआ। दिन की शुरूआत महिला बॉक्सर जेस्मीन लंबोरिया और मीनाक्षी हुड्डा के स्वर्णिम पंच से हुई। इसके बाद देश में खुशी का माहौल बनाने वाली खबर दुबई से आई। भारत ने वहां चल रहे क्रिकेट एशिया कप में अपनी परंपरागत प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को फतह ही नहीं किया, बल्कि यों कहें कि एकदम से ध्वस्त कर दिया। वैसे तो पहलगाम घटना की वजह से देश में एक वर्ग पाकिस्तान से खेलने का विरोध कर रहा था। पर सरकार ने आईसीसी टूनामेंटों में खेलने की नीति की वजह से इसमें खेलना स्वीकार किया। पर भारतीय टीम ने एकतरफा अंदाज में जीत पाकर देश के क्रिकेटप्रेमियों को खुश कर दिया। वहीं जीत के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार करके अपना विरोध भी जता दिया। भारत और पाकिस्तान के इस मुकाबले के लिए स्टेडियम के खचाखच भरे होने से यह बात तो समझ में आती है कि इस मुकाबले को लेकर लोगों में अभी भी दीवानगी बनी हुई है। इस मुकाबले से एक बात यह भी साफ हो गई कि भारतीय टीम में भले ही रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज शामिल नहीं हैं। पर वे पाकिस्तान टीम से बहुत आगे निकल चुके हैं। यह सही है कि देश में क्रिकेट की दीवानगी के आगे सभी खेल बौने नजर आते हैं। पर बॉक्सिंग में आए दोहरे गोल्ड के भी बहुत मायने हैं। भारतीय बॉक्सिंग में पिछले काफी समय से सफलताएं आना कम हो गई थीं, लेकिन जेस्मीन और मीनाक्षी ने गोल्डन पंच लगाकर यह अहसास करा दिया है कि आने वाला समय उनका है। इस तरह के प्रदर्शनों से यह संकेत भी मिलता है कि भारत का ओलंपिक खेलों की बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल से दूरी जल्द खत्म हो सकती है। यह दिन भारतीय बैडमिंटन के लिए भी अच्छा साबित हुआ। इसमें भारतीय खिलाड़ी कोई खिताब तो नहीं जीत सके। पर उनका प्रदर्शन भविष्य में दबदबे का भरोसा जताने वाला जरूर रहा। हांगकांग ओपन में भारत के लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल में सात्विक साईराज-चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पुरुष डबल्स के फाइनल तक चुनौती पेश की। लक्ष्य पिछले काफी समय से रंगत से बाहर चल रहे थे और डबल्स जोड़ी भी एक महीने पहले तक कुछ खास नहीं कर पा रही थी, लेकिन अब लगता है कि बैडमिंटन में भी भारतीय तूती बोलने वाली है। भारतीय खेलों में ऐसे खुशी के लम्हे एक साथ कम ही आते हैं।

चिंतन-मनन

प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यतः जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है। अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत, चित एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं। मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक-संतापों का स्वतः समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो। अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है। रेलयात्रा में कन्धे से कन्धा मिलाये बैठे दो आदमी अपरिचित होने के कारण समीप होने पर भी एक-दूसरे से दूर होते हैं। अजनबी छोड़िए, जिन्दगी भर एक दूसरे केसाथ रहने पर भी आन्तरिक परिचय के अभाव में कई लोग एक-दूसरे से दूर ही रहते हैं। अन्तरात्मा जानने का एक ही उपाय है कि उसके विषय में सदा जिज्ञासु तथा सचेत रहा जाए। जो जिसके विषय में जितना अधिक जिज्ञासु एवं सचेत रहता है, वह उसकेविषय में उतनी ही गहरी खोज करता है और निश्चय ही उसे पा लेता है। आत्मा के विषय में अधिक से अधिकजिज्ञासु एवं सचेत रहिए। अपनी आत्मा से परिचित होंगे, उसकी वाणी सुनेंगे, सच्चा मार्ग निर्देशन पाएंगे, तो अज्ञान से मुक्त हों यथार्थ सुख-शान्ति के अधिकारी बनेंगे।

निर्माण और शिल्पकला के देवता भगवान विश्वकर्मा

रमेश सर्राफ धमोरा

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चार युगों में विश्वकर्मा जी ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योंहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निमार्ता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निमार्ता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरयाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। नेपाल में भी विश्वकर्मा पूजा को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्वकर्मा के पूजन और उनके बताये वास्तुशास्त्र के नियमों का अनुपालन कर बनवाये गये मकान और दुकान शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। इनमें कोई वास्तुदोष नहीं माना जाता। औद्योगिक श्रमिकों द्वारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। विश्वकर्मा जयन्ती के दिन देश के कई हिस्सों में काम बंद रखा जाता है और खूब पंतगबाजी की जाती है। विभिन्न प्रदेशों की सरकार विश्वकर्मा जयन्ती पर अपने कर्मचारियों को सावेतनिक अवकाश प्रदान करती है। यह त्योहार मुख्य रूप से दुकानों, कारखानों और उद्योगों द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर, कारखानों और औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते हैं। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निमार्ता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चना किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यो में प्रयुक्त होनेवाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है। विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे। जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिन्हों परचलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ मानाजाता है। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राजरावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्णकी समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था। महाभारत में पांडव जहां रहते थे उस स्थान को इंद्रप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण भी विश्ववकर्मा ने किया था। कौरव वंश के हस्तिनापुर और भगवान कृष्ण के द्वारका का निर्माण भी विश्वणकर्मा ने ही किया था। सतयुग का स्वर्ग लोक, त्रेतायुग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कलयुग के हस्तिनापुर आदि के रचयिता विश्वकर्मा जी की पूजा अत्यन्त शुभकारी है। सृष्टि के प्रथम सूत्रधार, शिल्पकार और विश्व के पहले तकनीकी ग्रन्थ के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने देवताओं की रक्षा के लिये अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था। विष्णु को चक्र, शिव के त्रिशूल, इंद्र को वज्र, हनुमान को गदा और कुबेर को पुष्पक विमान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किये थे। सीता स्वयंवर में जिस धनुष को श्रीराम ने तोड़ा था वह भी विश्वकर्मा के हाथों बना था। जिस रथ पर निर्भर रहकर श्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन संसार को भस्म करने की शक्ति रखते थे उसके निमार्ता विश्वकर्मा ही थे। पार्वती के विवाह के लिए जो मण्डप और वेदी बनाई गई थी वह भी विश्वकर्मा ने ही तैयार की थी। माना जाता है कि विश्वकर्मा ने ही लंका का निर्माण किया था। इसके पीछे कहानी है कि शिव ने माता पार्वती के लिए एक महल का निर्माण करने के लिए भगवान विश्वकर्मा को कहा तो विश्वकर्मा ने सोने का महल बना दिया। इस महल के पूजन के दौरान भगवानशिव ने राजा रावण को आंमत्रित किया। रावण महल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गया और जब भगवानशिव ने उससे दक्षिणा में कुछ देने को कहा तथा उसने महल ही मांगलिया। भगवान शिव ने उसे महल देकर वापस पर्वतों पर चले गए। विश्वकर्मा ने देवताओं के लिए उड़ने वाले रथों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा ने देवताओं के राजा इंद्र का हथियार वज्र का निर्माण किया था। वज्र को ऋषि दधीचि और अज्ञेयस्त्र की हड्डियों से बनाया गया है। भगवान विष्णु का सुदर्शन चक्र उनकी शक्तिशाली रचनाओं में से एक था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की थी। जिसमें अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना में 18 व्यवसायों में लगे कारीगर और शिल्पकार शामिल हैं, जैसे बढ़ई, नाव निमार्ता, कवचकार, लोहार, हथौड़ा और औजार बनाने वाला, ताला बनाने वाला, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, पत्थर तोड़ने वाला, चर्मकार, जूते बनाने वाला, राजमिस्त्री, टोकरी,चटाई, झाड़ू बनाने वाला, बुनकर, गुड़िया और खिलौने बनाने वाला (पारंपरिक), नाई, माला बनाने वाला (मालाकार), धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने के जाल बनाने वाले लोग शामिल हैं।

बस्तर : आदिवासियों में जग रहा भरोसा

आभा मिश्रा

किसी भी राज्य में औद्योगिक विस्तार और निवेश को आकर्षित करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण है राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति और जनता में सरकार के प्रति भरोसा। छत्तीसगढ़ अपने जन्म के समय से ही नक्सलवादी हिंसा से जूझता रहा है।

खासतौर पर बस्तर का इलाका तो छत्तीसगढ़ बनने से पहले भी नक्सलवादियों का गढ़ रहा है। विकास की कमी और आम जनता पर नक्सलियों की पकड़ ने इस क्षेत्र को हमेशा पीछे रखा, लेकिन अब स्थितियां बदल रही हैं। आदिवासी बहुल इस प्रदेश में विष्णु देव साय के प्रदेश के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री बनने का असर अब साफ दिखने लगा है। राज्य पुलिस ने केंद्रीय बलों के साथ मिलकर नक्सलियों पर काफी हद तक न केवल नकेल कसी है बल्कि आदिवासी होने के नाते मुख्यमंत्री साय में राज्य के लोगों का भरोसा भी बढ़ रहा है। यही वजह है कि बस्तर अब भय और पिछड़ेपन से निकलकर विकास और विश्वास के नये धरातल पर खड़ा है और शांति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कभी उपेक्षा और अभाव की पहचान से जूझने वाला यह क्षेत्र अब निवेश, अवसर और रोजगार का नया केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री के प्रति प्रदेश के लोगों में बढ़ता भरोसा और केंद्र सरकार के नक्सल विरोधी अभियानों से न केवल इस क्षेत्र में उद्योग और शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य, कृषि और पर्यटन तक हर क्षेत्र में बदलाव दिखने लगा है, बल्कि उम्मीद और विश्वास की नई किरण जगी है। पिछले 20 महीनों में मुख्यमंत्री बस्तर के 100 से अधिक इलाकों का दौरा कर चुके हैं। इन दौरों ने जनता में उनकी विसनीयता बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्षेत्र में नक्सलवाद पर नियंत्रण ने विकास कार्य की राह सुगम की है।

इसी का नतीजा है कि बस्तर संभाग के जगदलपुर में पहली बार 350 बेड का मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जा रहा है। इस पर 550 करोड़ रुपये की लागत आएगी और 200 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसी क्रम में जगदलपुर में नवभारत इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा 85 करोड़ रुपये के निवेश से 200 बेड का मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और 33 करोड़ रुपये के निवेश से एक अन्य मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बनाया जा रहा है। यहां पर 7.65 करोड़ रुपये के निवेश से नमन क्लब एवं वेलनेस सेंटर भी शुरू होने जा रहा है। इन परियोजनाओं से बस्तर में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं एवं वेलनेस का विस्तार होगा और सैकड़ों युवाओं को रोजगार मिलेगा। यहां की जनता भी अब हिंसा से ऊब कर इस नये बदलाव को सहर्ष स्वीकार कर रही है। छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और इसे ह्यधान का कटोराह्ण कहा जाता है, लेकिन यहां खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का विस्तार जरूरत के अनुसार नहीं हो पाया।

मुख्यमंत्री ने इस कमी की भरपाई करने की योजना बनाई और इसी के तहत बीजापुर, नारायणपुर, कांकेर, बस्तर और कोण्डागांव जिलों में आधुनिक राइस मिल और फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना की जा रही है। रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024 के अंतर्गत 1000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने वाली या 1000 से अधिक रोजगार सृजित करने वाली परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। इस नीति में औषधि निर्माण, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र उद्योग, आईटी एवं डिजिटल तकनीक, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस व डिफेंस और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। पर्यटन को भी उद्योग का दर्जा प्रदान किया गया है। इसके तहत बस्तर में होटल, इको-टूरिज्म, वेलनेस सेंटर, एडवेंचर स्पोर्ट्स और खेल सुविधाओं जैसी परियोजनाओं पर 45 प्रतिशत तक सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद अब तक प्रदेश सरकार के पास लगभग 6 लाख 65 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं। बस्तर में न केवल नक्सलियों की गतिविधियों को कमजोर किया गया है, बल्कि विकास

का माहौल भी तेजी से बन रहा है। पिछले 20 महीनों में 65 नये सुरक्षा कैम्प स्थापित किए गए हैं, जिनसे दुर्गम इलाकों में सुरक्षा का दायरा बढ़ा है और ग्रामीणों में आत्मविश्वास की भावना मजबूत हुई है। आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों के लिए घोषित नई पुनर्वास नीति ने उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का बेहतर अवसर प्रदान किया है। नई नीति में वित्तीय सहायता बढ़ाई गई है और आवास व भूमि का स्पष्ट प्रावधान किया गया है।

नई नीति में आत्मसमर्पण करने वालों को तीन वर्षो तक प्रतिमाह 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता, शहरी क्षेत्र में चार डिसमिल जमीन या ग्रामीण क्षेत्र में एक हेक्टेयर कृषि भूमि उपलब्ध कराने का फैसला विष्णु देव साय सरकार ने किया है। इसी तरह, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत अब तक 90,273 युवाओं को विभिन्न व्यवसायों का प्रशिक्षण दिया गया है। इनमें से 39,137 युवाओं को रोजगार मिला है।

आश्रम सेवक को मिली जान से मारने की धमकी, पुलिस ने कराया मामला शांत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

ग्राम पंचायत मुण्डावरा स्थित गिरदारीदास आश्रम में रविवार को उस समय हंगामा हो गया जब एक सेवक को जान से मारने की धमकी दी गई। महंत संतोषदास महाराज के बाहर रहने के दौरान आश्रम की देखरेख की जिम्मेदारी सादुराम गुर्जर के पास थी। इस दौरान बलराम उर्फ़ बसंत नामक व्यक्ति आया और आश्रम की चाबी मांगते हुए सादुराम को धमकाने लगा। विरोध करने पर उसने जान से मारने की धमकी तक दे डाली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और समझाइश कर मामले को शांत कराया। ग्रामीणों ने आश्रम की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

राणा प्रताप संस्कार केन्द्र का शुभारम्भ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

स्थानीय बसन्त प्रभु आदर्श विद्या मंदिर में राणा प्रताप संस्कार केन्द्र का शुभारम्भ जिला संगीत एवं सरस्वती संस्कार केन्द्र संयोजक, आदर्श शिक्षा समिति जयपुर के गणेश नारायण मीणा द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जगदीश माली, हिन्दी विभागाध्यक्ष सरला देवी और संस्कार केन्द्र संचालिका गजल सेहरा उपस्थित रही। उल्लेखनीय है कि यह संस्कार केन्द्र प्रतिदिन विद्यालय परिसर में दोपहर 02.30 से सायं 05.00 बजे तक संचालित होगा। इस दौरान लुहार समाज के 20 और गुवारिया समाज के 5 लोग उपस्थित रहे।

विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने स्कूलों का किया औचक निरीक्षण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) सचिव मोहन लाल सोनी ने मंगलवार को जिले के कई स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत जर्जर भवनों और छात्रों के लिए की गई वैकल्पिक व्यवस्थाओं की जांच के उद्देश्य से किया गया। निरीक्षण के दौरान महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कोटा खुर्द और कोटा कलां, राउमा स्कूल धनेटा व चामरोदा के भवन बेहद जर्जर हालत में पाए गए। इन विद्यालयों में छात्रों को निजी मकानों और टीन शेड में पढ़ाया जा रहा था। कोटा खुर्द में गांव के मोहब्बत खान के मकान में कक्षाएं संचालित थीं, जबकि धनेटा में दो निजी मकानों में बच्चों को बैठाया गया था। इनमें से एक भवन में सीलन और उखड़ा प्लास्टर बच्चों की सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ था। कोटा कलां में छात्र टीन शेड व पेड़ों की छांव में पढ़ते मिले। बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव था। रालसा सचिव ने हालात पर चिंता जताते हुए संबंधित विभागों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

168 बाल वाहिनियों का चालान, 7 लाख से अधिक वसूले

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

परिवहन विभाग ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बाल वाहिनियों पर कार्रवाई तेज कर दी है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार अब तक 168 वाहनों का चालान कर 7.05 लाख रुपए राजस्व वसूला गया है। आरटीओ सतीश कुमार ने बताया कि ये कार्रवाई बिना परमिट, ओवरलोडिंग और फिटनेस के अभाव में चल रही गाड़ियों पर की गई। विभाग ने चालान के साथ-साथ वाहन संचालकों को समझाइश भी दी है, ताकि बच्चों को असुविधा न हो। साल 2023 में 441 वाहनों की जांच कर 63 का चालान कर 2.81 लाख वसूले गए। वर्ष 2024 में 483 वाहनों की जांच में 68 का चालान कर 3.31 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। वहीं 2025 में अब तक 261 वाहनों की जांच कर 37 का चालान किया गया, जिससे 93 हजार रुपए वसूले गए।

वाहन चोर गैंग के तीन इनामी बदमाश गिरफ्तार, चोरी की कार बरामद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राजगढ़ थाना पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले सक्रिय गिरोह के तीन इनामी बदमाशों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की एक ईको कार भी बरामद की है। इनकी गिरफ्तारी पर अलवर पुलिस अधीक्षक द्वारा 2-2 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। थाना इंचार्ज राजेश कुमार ने बताया कि परिवादी ने 22 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि 21 जुलाई की रात करीब 8 बजे उसने राजगढ़ बस स्टैंड के पास अपने दोस्त के घर के बाहर ईको कार खड़ी की थी, लेकिन रात करीब 12 बजे अज्ञात चोर कार चोरी कर ले गए। इस मामले में जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध बदमाशों को हिरासत में लिया और पूछताछ की। गिरफ्तार आरोपियों में असरफ उर्फ असरा पुत्र नवाब खां, आसम उर्फ आसमदीन पुत्र कमरूद्दीन निवासी बड़ी मस्जिद के पास बगड़ तिराहा और अरबाज पुत्र आसम खां निवासी लीली थाना मालाखेड़ा शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने न केवल ईको कार चोरी करना स्वीकार किया, बल्कि राजगढ़ थाना इलाके से ट्रैक्टर और पिकअप चोरी की वारदात में भी अपनी संलिप्तता कबूल की। पुलिस की जांच में सामने आया कि गिरोह का सरगना आसम उर्फ आसमदीन है, जिसके खिलाफ एमआईए अलवर और गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) पुलिस थानों में पहले से ही चार आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं और इन मामलों में पुलिस चालान कोर्ट में पेश कर चुकी है। वहीं असरफ उर्फ असरा के खिलाफ बगड़ तिराहा थाना क्षेत्र में दो मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार तीसरे आरोपी अरबाज खां का आपराधिक रिकॉर्ड और भी गंभीर है। उसके खिलाफ मालाखेड़ा थाना पुलिस में नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज है, जिसमें पोक्सो एक्ट की धाराएं भी शामिल हैं।

फायरिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग साथी निरुद्ध

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

एमआईए थाना पुलिस ने चार दिन पहले चावला का बास कंजर बस्ती में हुई फायरिंग की वारदात का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी हेमंत कुमार जाटव और उसके नाबालिग साथी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने लेनदेन के विवाद में गोली चलाई थी। परिवादी ने 13 सितम्बर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका भाई ऋषि पुत्र महेंद्र सिंह निवासी मुन्नी का बास रात करीब 10 बजे अपने घर पर बैठा हुआ था।

स्कूल भवन कंडम, मंदिर बना पाठशाला- जंगल के बीच जान जोखिम में डाल पढ़ रहे नौनिहाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

शिक्षा का अधिकार भले ही हर बच्चे का संवैधानिक हक हो, लेकिन हकीकत में हालात कितने विपरीत हैं, इसकी मिसाल ग्राम पंचायत मुण्डावरा के गाँव भोजपुरी में साफ दिखाई देती है। यहाँ संचालित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय का भवन लोक निर्माण विभाग ने 30 जुलाई को कंडम घोषित कर दिया। परिणामस्वरूप पिछले चार दिनों से विद्यालय सरिस्का जंगल क्षेत्र स्थित शीतलनाथ महाराज मंदिर परिसर में चल रहा है। इस विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक के कुल 126 विद्यार्थी नामांकित हैं, जिनमें मंगलवार को भी 100 से अधिक छात्र उपस्थित रहे। विद्यालय में 6 शिक्षक कार्यरत हैं। भवन बंद होने के बाद लगभग एक माह तक बच्चों को टेंट में पढ़ाया गया, लेकिन शिक्षा विभाग के हालिया आदेश के बाद अस्थायी तौर पर मंदिर को कक्षा-कक्ष बना दिया गया। समस्या यह है कि नया स्थान पुराने विद्यालय भवन से करीब 2 किलोमीटर दूर है। बच्चों को यहाँ तक पहुँचने के लिए जंगल के रास्ते से गुजरना पड़ता है, जहाँ जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। छोटी उम्र के बच्चों के लिए यह रास्ता किसी जोखिम से कम नहीं है। इससे अभिभावकों में भी लगातार चिंता बनी हुई है। विद्यालय की पोषाहार व्यवस्था अब भी पुराने भवन की रसोई में ही चल रही है, जिससे प्रबंधन और बच्चों दोनों को असुविधा उठानी पड़ रही है। वहीं शौचालय की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण छात्र-छात्राओं को जंगल में ही शौच के लिए जाना पड़ रहा है। यह स्थिति बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य दोनों के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है। भोजपुरी गाँव के एमबीसी समुदाय के बच्चे इस विद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। प्रधानाध्यापक दुर्गेश वर्मा ने बताया कि विद्यालय भवन की समस्या को लेकर कई बार उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है। फिलहाल अस्थायी व्यवस्था के तहत मंदिर में पढ़ाई चल रही है। नारायणपुर सीबीईओ राजकुमार यादव का कहना है कि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा भवन को जर्जर घोषित किए जाने के बाद शिक्षा विभाग ने बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए मंदिर में कक्षाएँ संचालित करने का निर्णय लिया। गाँव के लोग अब उम्मीद लगाए बैठे हैं कि जल्द ही स्थायी समाधान निकले और बच्चे सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त कर सकें। क्योंकि सवाल सिर्फ भवन का नहीं, बल्कि आने वाले कल की नींव रखने वाली पीढ़ी की सुरक्षा और भविष्य का है।

बहरोड़ में बिजलीकर्मियों पर हमला, ट्रांसफॉर्मर उतारने गए कर्मचारियों को किसान परिवार ने घेरा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

बहरोड़ क्षेत्र में बिजली निगम के कर्मचारियों पर हमला करने का गंभीर मामला सामने आया है। यह घटना 15 सितंबर की बताई जा रही है, जब बकाया बिजली बिल वसूली की कार्रवाई के दौरान गांव बर्डोद में एक किसान और उसके बेटों ने निगम कर्मियों से मारपीट की। शिकायत के अनुसार, गांव बर्डोद निवासी किसान शीशराम पर 45,080 रुपए का बिजली बिल बकाया था। बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद जब भुगतान नहीं हुआ तो निगम की टीम कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंची। टीम में लाइनमैन अमरीश कुमार शर्मा, लिफ्टर ड्राइवर घनश्याम यादव और सहायक राहुल कुमार शामिल थे। जैसे ही कर्मचारी ट्रांसफॉर्मर उतारने की प्रक्रिया में जुटे, किसान शीशराम, उसके दोनों बेटे और पड़ोसी ने उन्हें रोक लिया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि परिवार ने न केवल उनसे मारपीट की बल्कि गंभीर धमकियां भी दीं। महिलाओं को बुलाकर बलात्कार के झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई। हमलावरों ने लाइनमैन के बिलिंग मोबाइल को तोड़ डाला, कर्मचारियों के कपड़े फाड़ दिए और लिफ्टर की गाड़ी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश भी की। गाड़ी की हवा निकाल दी गई और तोड़ने की चेतावनी दी गई। घटना की सूचना तुरंत अधिकारियों को दी गई। इसके बाद जेईएन मुकेश चावला ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इस घटना ने बिजली निगम कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। वसूली या कार्रवाई के दौरान अक्सर विरोध की घटनाएं सामने आती हैं, लेकिन इस बार कर्मचारियों पर खुलेआम हमला होना और धमकियां मिलना गंभीर चिंता का विषय बन गया है। कर्मचारियों का कहना है कि वे सरकारी आदेश पर कार्रवाई कर रहे थे, ऐसे में उन पर हमला करना कानून के खिलाफ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच में दोषी पाए जाने पर संबंधित आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, बिजली निगम के अधिकारी भी कर्मचारियों के साथ हुई इस घटना को गंभीर मानते हुए उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेज रहे हैं।

राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ, अनुशासन और सेवा भाव पर दिया जोर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मोहनपुरा में 15 से 19 सितम्बर तक जिला स्तरीय आवासीय राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा है। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय जयपुर के निर्देशानुसार स्थानीय संघ कोटपूतली द्वारा आयोजित इस शिविर में स्काउट्स और गाइड्स को सुबह से देर रात तक विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों, शारीरिक गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अनुशासनात्मक कार्यों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों में नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना और राष्ट्र निर्माण के संस्कार विकसित करना है। शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्काउट्स एवं गाइड्स ने आकर्षक परेड और गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया। अतिथियों का तिलक, स्कार्फ और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। शिविर संचालक प्यारेलाल महला ने स्वागत भाषण और विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि कोषाध्यक्ष हंसराज रावत ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एसपी देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने कहा कि जीवन में अनुशासन, परिश्रम और सेवा भाव के बिना कोई भी लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। स्काउटिंग से मिलने वाले संस्कार न केवल गवर्नर अवार्ड दिलाने में मदद करते हैं, बल्कि बच्चों को जिम्मेदार और सशक्त नागरिक भी बनाते हैं। उन्होंने बच्चों से नशामुक्त जीवन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा जैसे कार्यों में सक्रिय होने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य अशोक कुमार सुरेला ने कहा कि ऐसे आवासीय शिविर बच्चों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने में मदद करते हैं। वरिष्ठ ट्रेनर कमलेश कुम्हार और ललित कुमार प्रजापत ने बताया कि स्काउटिंग कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और संयम के साथ कार्य करने की क्षमता सिखाती है। कार्यक्रम में अतुल कुमार आर्य, अतुल कुमार (अलवर), संदीप जांगिड़, जयसिंह यादव, किरणा जाट, कृष्ण कुमार सैनी और पलविंद्र सिंह गुर्जर सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक सचिव सीताराम गुप्ता ने किया। पूरे आयोजन में स्काउट-गाइड बालकों की ऊर्जा और उत्साह देखने योग्य रहा। यह आवासीय शिविर 19 सितम्बर को बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और समापन समारोह के साथ संपन्न होगा।

बहरोड़ पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को दबोचा, प्रॉपर्टी डीलर ऑफिस हमले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

बहरोड़ पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस पर हमला करने के मामले में हरियाणा के कुख्यात हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमित उर्फ गबरू के रूप में हुई है, जो महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी का रहने वाला है। उस पर राजस्थान और हरियाणा में कुल 18 आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह मामला 6 सितंबर की शाम करीब 6.30 बजे का है। गांव नासरपुर निवासी अशोक यादव की शिकायत के अनुसार, 4 से 5 बाइक पर सवार करीब 10 युवक ऑफिस पहुंचे थे। हमलावरों ने अपने चेहरे कपड़े से ढक रखे थे। आरोपियों ने ऑफिस में घुसकर लाठी-डंडों से शीशे तोड़े और वहां मौजूद लोगों पर हमला किया। बताया गया कि वे तेजपाल मास्टर नामक व्यक्ति की तलाश कर रहे थे। इस दौरान हमलावरों ने गांव नारेड़ा के श्रीनिवास शर्मा पर भी हमला किया, जिससे उनके पैर की हड्डी टूट गई। इतना ही नहीं, बदमाशों ने बाहर खड़ी कई गाड़ियों के शीशे भी चकनाचूर कर दिए। घटना के बाद थानाधिकारी विक्रांत शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने इलाके में लगे करीब 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की। इसी आधार पर पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर अमित उर्फ गबरू को दबोच लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद 20 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हमले में शामिल अन्य बदमाशों की पहचान भी कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। जल्द ही बाकी आरोपियों को भी कानून के कटघरे में लाया जाएगा।

नगर परिषद कोटपूतली में शहरी सेवा शिविर का आयोजन 17 सितम्बर से

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

सेवा पर्व पखवाड़े के अंतर्गत राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन को त्वरित और सुगम राहत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर परिषद कोटपूतली द्वारा 17 सितम्बर से वार्डवार शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया जाएगा। नगर परिषद आयुक्त नूर मोहम्मद ने बताया कि शिविर प्रातः 09.30 बजे से सायं 06.00 बजे तक नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न स्थलों पर लगेंगे। शिविर कार्यक्रम के अनुसार, 17 सितम्बर को वार्ड 1 से 4 के लिए एमडी नगर गोरखनाथ मंदिर के सामने, 18 सितम्बर को वार्ड 5 से 10 के लिए सैनी सभा टेलीफोन एक्सचेंज रोड पर, 19 सितम्बर को वार्ड 13 से 16 के लिए मोरिजावाला धर्मशाला में आयोजित होंगे। इसके बाद 23 सितम्बर को वार्ड 11, 12 एवं 19 से 23 के लिए नगर परिषद कार्यालय में, 24 सितम्बर को वार्ड 17, 18, 33 से 36 के लिए पंचायत समिति कार्यालय में, 25 सितम्बर को वार्ड 25 से 27 एवं 31, 32 के लिए नागाजी की गोर फायर स्टेशन में, 26 सितम्बर को वार्ड 24, 28 से 30 के लिए डुंगावाले हनुमान मंदिर में, 27 सितम्बर को वार्ड 37 से 40 के लिए डुंगावाले हनुमान मंदिर में शिविर आयोजित होंगे।ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 29 सितम्बर को पनियाला, गोनेडा, कालूहेड़ा, केशवाना, 1 अक्टूबर को खेड़की मुक्कड़, सांगटेड़ा, बीजाहेड़ा, शेखुपुर, मोलाहेड़ा, 3 अक्टूबर को रामसिंहपुरा, खेड़की वीरभान, गोपालपुरा, नौरंगपुरा, खरखड़ी, चानचकी, 4 अक्टूबर को सरुंड, भोजावास, खेड़ानिहालपुरा, जगदीशपुरा, श्यामनगर, 6 अक्टूबर को कांसली, मोहनपुरा, फतेहपुर, कीरतपुरा, महारामपुर राजपूत, 7 अक्टूबर को कल्याणपुरा खुर्द, राहेड़ा, सुन्दरपुरा, पुतली, 8 अक्टूबर को अमाई खुर्दी, बुचाहेड़ा, 9 अक्टूबर को बामनवास, बालावास, गोपीपुरा, नांगल पंडितपुरा, 10 अक्टूबर को चतुर्भुज, टापरी, बांसडी, बड़ाबास में शिविर लगेंगे। फॉलोअप शिविर 11 अक्टूबर को वार्ड 1 से 12, 13 अक्टूबर को वार्ड 13 से 24, 14 अक्टूबर को वार्ड 25 से 32, 15 अक्टूबर को वार्ड 33 से 40 और 16 व 17 अक्टूबर को समस्त नगर परिषद क्षेत्र कोटपूतली के लिए नगर परिषद कार्यालय में आयोजित होंगे। शिविरों के प्रभारी अधिशाषी अभियंता दीपक मीणा एवं सह प्रभारी कृष्ण कुमार गुर्जर रहेंगे। शिविरों में विभिन्न कार्य होंगे, जिनमें शहर की साफ-सफाई, सीसी/डामर सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाईट की मरम्मत और नए स्ट्रीट लाईट लगाना, पार्क एवं सार्वजनिक स्थलों का रख-रखाव, यू.डी. टैक्स संग्रह, लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्ट जारी करना, नालियों व सीवर लाइन की मरम्मत, जन्म-मृत्यु/विवाह पंजीयन, फायर एन.ओ.सी., ट्रेड एवं साइनिज लाइसेंस, ओ.एफ.सी.-मोबाइल टावर एन.ओ.सी., ई.डब्ल्यू.एस. प्रमाण पत्र आदि का वितरण शामिल है। आयुक्त ने आमजन से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन शिविरों में भाग लें और राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यों का लाभ उठाएं।

भिवाड़ी में शहरी सेवा शिविर 17 सितंबर से: 60 वार्डों की समस्याओं का होगा समाधान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी नगर परिषद परिसर में शहरी नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए 17 सितंबर से शहरी सेवा शिविर शुरू होने जा रहा है। यह शिविर एक महीने तक चलेगा, जिसमें 20 दिन तक 60 वार्डों के लिए अलग-अलग तारीखों पर शिविर आयोजित होंगे। नगर परिषद कमिश्नर मुकेश चौधरी ने वार्ड 1 से 60 तक के लिए शेड्यूल जारी किया है। शिविर सुबह 9.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक चलेगा, जिसमें सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहकर नागरिकों की समस्याओं का निपटारा करेंगे।

शिविर का शेड्यूल

शेड्यूल के अनुसार, वार्ड 1-3 के लिए 17 सितंबर, वार्ड 4-6 के लिए 18 सितंबर, वार्ड 7-9 के लिए 19 सितंबर, वार्ड 10-12 के लिए 23 सितंबर, वार्ड 13-15 के लिए 24 सितंबर, वार्ड 16-18 के लिए 25 सितंबर, वार्ड 19-21 के लिए 26 सितंबर, वार्ड 22-24 के लिए 29 सितंबर, वार्ड 25-27 के लिए 1 अक्टूबर, वार्ड 28-30 के लिए 3 अक्टूबर, वार्ड 31-33 के लिए 6 अक्टूबर, वार्ड 34-36 के लिए 7 अक्टूबर, वार्ड 37-39 के लिए 8 अक्टूबर, वार्ड 40-42 के लिए 9 अक्टूबर, वार्ड 43-45 के लिए 10 अक्टूबर, वार्ड 46-48 के लिए 13 अक्टूबर, वार्ड 49-51 के लिए 14 अक्टूबर, वार्ड 52-54 के लिए 15 अक्टूबर, वार्ड 55-57 के लिए 16 अक्टूबर और वार्ड 58-60 के लिए 17 अक्टूबर को शिविर होंगे।

इन समस्याओं का होगा समाधान

शिविर में सफाई व्यवस्था, ब्लैक स्पॉट्स हटाने, आवारा पशुओं को पकड़ने, स्ट्रीट लाइट्स की मरम्मत, सड़क मरम्मत, टूटे फेरो की मरम्मत, पार्कों और सामुदायिक केंद्रों का रखरखाव, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, फायर एनओसी, यूडी टैक्स, डेयरी बूथ अनुज्ञा पत्र, ट्रेड लाइसेंस, पार्किंग स्थलों का चिह्निकरण, चौराहों व डिवाइडरों का सौंदर्यीकरण, मोबाइल टावर, ऑफ सीवर कनेक्शन, साइनेज लाइसेंस और प्रॉपर्टी आईडी जनरेशन जैसे कार्य किए जाएंगे। इसके अलावा, एनयूएलएम, पीएम स्वनिधि, सीएम स्वनिधि, एसबीएम 2.0 और प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित समस्याओं का भी निपटारा होगा।

प्रभारी नियुक्त

शिविर की व्यवस्था के लिए अधिशासी अभियंता राहुल परेवा और सहायक नगर नियोजन अधिकारी सलोनी खंडेलवाल को प्रभारी नियुक्त किया गया है। कमिश्नर चौधरी ने निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी और कर्मचारी सुबह 9.00 बजे शिविर में उपस्थित रहें और एक ग्रुप फोटो ऑफिशियल ग्रुप में साझा करें। यह शिविर नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

विद्युत तकनीकी कर्मचारियों ने समस्याओं के समाधान को लेकर दिया ज्ञापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी संगठन संभाग बहरोड़ ने मंगलवार को अधिशासी अभियंता जयपुर डिस्कॉम बहरोड़ को फील्ड में कार्यरत तकनीकी कार्मिकों की समस्याओं के समाधान को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि एफआरटी द्वारा 11 केवी पर कार्य करते समय यदि कोई विद्युत दुर्घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी कनिष्ठ अभियंता व फीडर इंचार्ज पर डालना गलत है। इससे तकनीकी कर्मचारियों में भय का वातावरण बन गया है। संगठन का कहना है कि 33/11 केवी जीएसएस निजी फर्मों द्वारा संचालित हैं, जहां संचालन नियमों के विपरीत एक या दो कर्मचारियों से करवाया जा रहा है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। ज्ञापन में मांग की गई कि प्रत्येक एफआरटी टीम में 15 कार्मिकों की नियुक्ति की जाए तथा तीन शिफ्टों में कार्य करने की व्यवस्था हो। प्रत्येक शिफ्ट में दो लाइनमैन, दो सहायक और एक चालक होना चाहिए। इसके साथ ही सभी तकनीकी कार्मिकों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाने की आवश्यकता बताई गई, जो पिछले वर्ष भी उपलब्ध नहीं कराए गए थे। संगठन ने 15 सितंबर को बहरोड़ शहर के अधीन कार्यरत लाइनमैन द्वितीय अमरेश कुमार शर्मा के साथ नंगलारूध फीडर बर्डोद पर बकाया राशि वसूली के दौरान हुई मारपीट की घटना का भी उल्लेख किया। इस मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है, लेकिन यदि 17 सितंबर तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो सभी कर्मचारी कार्य का बहिष्कार करेंगे। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि सात कार्य दिवस में समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो बहरोड़ डिस्कॉम कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी निगम प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने के दौरान संगठन के संभाग अध्यक्ष महेश कुमार, ग्रामीण अध्यक्ष संतोष कुमार सहित हरीश, सुमित, सुरेन्द्र, बलवन्त, सुनील, टिंकू, सत्पाल, अशोक, बहादुर, रोहितश, दिव्यम, होंशियार समेत अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में स्मृति मंधाना फिर से बनीं नंबर 1

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने रविवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार अर्धशतक जड़कर आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान फिर से हासिल कर लिया है।

बाएं हाथ की इस स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज ने 63 गेंदों में छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 58 रनों की पारी खेली और इंग्लैंड की कप्तान नैट शिवर-ब्रंट को पीछे छोड़कर वह स्थान फिर से हासिल कर लिया है जो उन्होंने पहली बार जनवरी 2019 में हासिल किया था और हाल ही में इस साल जुलाई में हासिल किया था। शीर्ष पर यह उनका चौथा कार्यकाल है।

ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से जीत हासिल की और यह शानदार जीत उनकी खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी दिखाई दी। बाएं हाथ की बल्लेबाज बेथ मूनी ने 74 गेंदों में नाबाद 77 रनों की पारी खेली जिससे वह तीन पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर पहुंच गई। एनाबेल सदरलैंड अपनी नाबाद 54 रनों की पारी के बाद चार पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त 25वें स्थान पर पहुंच गई। वह सलामी बल्लेबाज फोएबे लिचफील्ड के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। फोएबे लिचफील्ड ने 80 गेंदों पर 88 रनों की पारी खेलकर 13 पायदान ऊपर चढ़कर मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनी।

मंधना के अलावा ताजासाप्ताहिक अपडेट में जिन भारतीय बल्लेबाजों को फायदा हुआ है उनमें ऋचा घोष शामिल हैं जो अपनी 25 रनों की पारी के बाद 39वें से 36वें स्थान पर पहुंच गई हैं। सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल 96 गेंदों पर 64 रनों की पारी के बाद चार पायदान ऊपर चढ़कर 42वें स्थान पर पहुंच गई हैं। हरलीन देओल 57 गेंदों पर 54 रनों की पारी के बाद पांच पायदान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की किम गार्थ और अलाना किंग क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि सदरलैंड ने दो पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर पहुंच गई हैं। तीनों ने एक-एक विकेट लिया है। भारत की स्नेहा राणा पांच स्थान ऊपर चढ़कर 16वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम की मुख्य प्रयोजक बनी अपोलो टायर्स : बीसीसीआई

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि दिग्गज कंपनी अपोलो टायर्स भारतीय क्रिकेट टीम की नई मुख्य प्रायोजक बनी है। बोर्ड के अनुसार ओपोलो ने प्रमुख प्रायोजक के रूप में ड्रीम 11 की जगह ली है। ऑनलाइन गैमिंग पर प्रतिबंध के बाद ड्रीम 11 को प्रायोजक से हटना पड़ा था। बीसीसीआई और आपोलो टायर्स के बीच ढाई साल के लिए करार हुआ है ये मार्च 2028 तक रहेगा। इस करार के अनुसार, अपोलो टायर्स का लोगो सभी प्रारूपों में भारतीय पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीमों की जर्सी पर रहेगा।

बीसीसीआई ने कहा कि अपोलो टायर्स पहली बार भारतीय क्रिकेट से जुड़ा है। बोर्ड ने का कि कड़ी बोली प्रक्रिया के बाद अपोलों को ये करार मिला है। ये साझेदारी प्रायोजन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है, जो भारतीय क्रिकेट की व्यापक और बढ़ती व्यावसायिक अपील को प्रदर्शित करती है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, अपोलो टायर्स का हमारे नए प्रायोजक के रूप में आना हमारी टीमों की कड़ी मेहनत और निरंतर प्रदर्शन को दिखाता है। हम भारतीय क्रिकेट में अपोलो के प्रायोजन को लेकर उत्साहित हैं, जो इस खेल की अद्वितीय पहुंच और प्रभाव को दिखाता है। यह एक व्यावसायिक समझौते से कहीं बढ़कर है। यह दो संस्थानों के बीच एक साझेदारी है, जिन्होंने लाखों लोगों का विश्वास और सम्मान हासिल किया है।

वहीं बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, अपोलो टायर्स का हमारे नए प्रमुख प्रायोजक के रूप में स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। यह एक अहम अवसर है, जो भारत की दो सबसे शक्तिशाली और स्थायी विरासतों भारतीय क्रिकेट की अटूट भावना और अपोलो टायर्स की अग्रणी विरासत, को एक साथ ला रहा है। ये बीसीसीआई और टीम इंडिया के वैश्विक ब्रांड में बाजार के मजबूत विश्वास को दिखात है। हमें विश्वास है कि यह साझेदारी आपसी विकास और सफलता के लिए प्रेरक साबित होगी।

वहीं अपोलो टायर्स लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नीरज कंवर ने कहा, टीम इंडिया का प्रमुख प्रायोजक बनना हमारे लिए सम्मान की बात है।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की कप्तानी करना बहुत बड़ा सम्मानः दलीप ट्रॉफी जीत के बाद बोले पाटीदार

बेंगलुरु (एजेंसी)। रजत पाटीदार ने इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को इंडियन प्रीमियर लीग का पहला खिताब दिलाया था और हाल ही में दलीप ट्रॉफी जीतने में सेंट्रल जोन की मदद की। पाटीदार का मानना है कि इस अनुभव ने उनकी नेतृत्व क्षमता में जबरदस्त विकास किया है। यह स्टार बल्लेबाज अब 30 सितंबर से शुरू हो रही ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के पहले मैच में भारत ए की कप्तानी करते हुए इसी सीख का लाभ उठाना चाहता है।

पाटीदार ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ सीरीज के लिए भारत 'ए' टीम की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे लगता है कि यह मेरे और टीम के लिए एक शानदार मौका है कि हम अपनी क्षमता का प्रदर्शन करें और अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हों।'

उन्होंने कहा, 'एक तरह से यह साल मेरे लिए निजी तौर पर बेहद खास रहा है, क्योंकि मैदान पर मेरी क्षमताओं को पहचाना गया और मुझे पुरस्कृत भी किया गया। इसकी शुरुआत प्रथम श्रेणी क्रिकेट में मध्य प्रदेश राज्य टीम की कप्तानी से हुई और ऋष्क्र ने मुझे इस प्रतिष्ठित टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी। ट्रॉफी जीतना तो सोने पे सुहागा था और इस दौरान मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला जिसका मुझे आगे चलकर फायदा मिलेगा।'

पाटीदार ने आगे कहा, 'एक टीम के कप्तान के तौर पर यह इस बारे में है कि हम एक इकाई के रूप में कैसे एकजुट होते हैं और एक-दूसरे के लिए जान देने को तैयार रहते हैं। इस सीजन में RCB में हमारा यही सौहार्द और विश्वास था, जहां हम सभी ने एक-दूसरे के लिए कदम बढ़ाया और सफलता के लिए मिलकर काम किया। भारत 'ए' के खिलाफ होने वाले मैच में भी हम इसी तरह का रवैया अपनाना चाहेंगे। मैं उत्साहित हूं और नई चुनौती का इंतजार कर रहा हूं।'

विश्व चैंपियनशिप में अब नीरज चोपड़ा पर निगाह, खिताब का बचाव करने के लिए उतरेंगे

तोक्यो (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा बुधवार को यहां क्वालीफिकेशन राउंड के साथ विश्व चैम्पियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने का अभियान शुरू करेंगे जिसमें उन्हें पाकिस्तान के ओलंपिक स्वर्ण विजेता अरशद नदीम और जर्मनी के डायमंड लीग चैंपियन जूलियन वेबर की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। चोपड़ा का लक्ष्य पुरुष भाला फेंक में विश्व चैंपियनशिप में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने वाला तीसरा खिलाड़ी बनना होगा। नीरज चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में आयोजित की गई पिछली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। चेक गणराज्य के दिग्गज और वर्तमान में चोपड़ा के कोच जान जेलेंजी (1993, 1995) और ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (2019, 2022) ने ही अब तक लगातार दो मौकों पर विश्व चैंपियनशिप का ताज जीता है।

चोपड़ा 2024 पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार नदीम का सामना करेंगे जिससे उन्हें फ्रांस की राजधानी में दूसरे स्थान पर रहने का बदला लेने का मौका मिलेगा। नदीम ने पेरिस में 92.97 मीटर के शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था, जबकि चोपड़ा का उस दिन सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.45 मीटर था और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। चोपड़ा और नदीम का मुकाबला बुधवार को नहीं होगा क्योंकि दोनों प्रतिद्वंद्वियों को क्वालीफाइंग दौर में दो अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है। गुरुवार को फाइनल में उनके आमने-सामने होने की उम्मीद है। भारत के 27 वर्षीय खिलाड़ी के लिए स्वर्ण पदक जीतना आसान नहीं होगा लेकिन यह वही स्टेडियम है जहां उन्होंने 2021 में ओलंपिक स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा था। चोपड़ा ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर थ्रो के साथ प्रतिष्ठित 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था, लेकिन अन्य प्रतियोगिताओं में इस साल इस भारतीय सुपरस्टार ने कुछ औसत दूरी भी तय की है। वह दो प्रतियोगिताओं में 85 मीटर की दूरी पार करने में असफल रहे थे। इस वर्ष उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो 88.16 मीटर था। फॉर्म के लिहाज़ से वेबर स्वर्ण पदक जीतने के प्रबल दावेदार हैं। इस 31 वर्षीय जर्मन खिलाड़ी ने इस साल तीन बार 90 मीटर से ज्यादा की दूरी तक भाला फेंका है। पिछले महीने डायमंड लीग ट्रॉफी जीतने के बाद वह आत्मविश्वास से भरे होंगे।

आईसीसी ने मैच रैफरी को हटाने की मांग ठुकरायी, पीसीबी को करारा झटका

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को एशिया कप से हटाने की मांग ठुकरा दी है ।पीसीबी ने मैच रैफरी पर आचार संहित उल्लंघन का आरोप लगाया है । उसका कहना है कि मैच रैफरी ने पाक कप्तान सलमान अली आगा से कहा था कि वह भारतीय कप्तान से हाथ नहीं मिलाये ।इस मैच में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के दौरान पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली से हाथ नहीं मिलाया था। वहीं मैच खत्म होने के बाद भी भारतीय खिलाड़ियों ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था और ड्रेसिंग रूम का दरवाजा भी बंद कर लिया था ।इसी को पीसीबी ने अपने खिलाड़ियों की बेइज्जती माना है ।पीसीबी इस मामले की शिकायत आईसीसी से की थी और धमकी दी थी कि अगर मैच रैफरी को नहीं हटाया जाता है तो वह एशिया कप का बहिष्कार करेंगे। वहीं आईसीसी ने पीसीबी की उस अर्जी को खारिज कर दिया है ।एक रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी को बता दिया है कि मैच रैफरी को नहीं हटाया जाएगा ।पीसीबी, पाइक्रॉफ्ट की उस भूमिका से नाराज है, जिसमें उन्होंने सलमान को टॉस के दौरान भारतीय कप्तान से हाथ न मिलाने के लिए कहा था ।

अमन सहरावत अधिक वजन के कारण विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप के लिए आयोग्य हुए

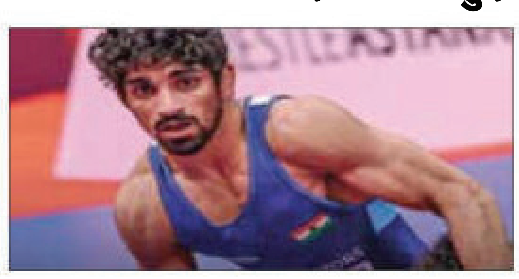

जगरेब ।ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान अमन सहरावत वजन वर्ग में अधिक पाये जाने के कारण विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में भाग नहीं ले पायेंगे ।अहम को इसके लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है ।अमन ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा में कांस्य पदक जीता था। गौरतलब है कि यूडब्ल्यूडब्ल्यू नियमों के अनुसार विश्व कप, यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए दो किग्रा तक ज्यादा वजन ही स्वीकार्य होता है पर विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक जैसे टूर्नामेंटों में कोई राहत नहीं दी जाती है ।गौरतलब है कि तय मानक से अधिक वजन होने के कारण ही पेरिस ओलंपिक 2024 में विनेश फोगाट को खिताबी मुकाबले से ठीक पहले बाहर कर दिया गया था ।भारतीय दल के अनुसर अमन अपना वजन नियंत्रित नहीं रख पाये ।उनका वजन 1700 ग्राम ज्यादा था जो स्वीकार्य नहीं था ।

अभी दो बार फिर आमने-सामने का सकती हैं भारत-पाक टीम

दुबई ।एशिया कप में भारतीय टीम ने अपने दूसरे ही मैच में पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में हरा दिया है ।भारतीय टीम ने पहले मैच में यूएई को हराया था ।इससे अब भारतीय टीम का सुपर फोर में पहुंचना तकरीबन तय हो गया है ।भारतीय टीम को आगे भी पाक से दो मैच खेलने पड़ सकते हैं ।भारतीय टीम को 19 सितंबर को अबुधाबी में अपना आखिरी लीग मैच ओमान से खेलना है ।इस मुकाबले को भारतीय टीम अगर जीत ले और पाकिस्तान अपने अंतिम लीग मैच में यूएई को हरा दे तो फिर भारत और पाकिस्तान की टीमें एक बार फिर 21 सितंबर को सुपर फोर मैच में आमने-सामने आ सकती हैं ।इसका कारण है कि एशिया कप ग्रुप ए की शीर्ष दो टीमों के सुपर फोर मैच उसी दिन खेले जाने हैं ।सुपर फोर मैच में भारत और पाकिस्तान की टीमें फिर दुबई में खेल सकती हैं ।वहीं अगर भारत और पाकिस्तान की टीमें अगर सुपर फोर मैच में शीर्ष 2 में रहती हैं तो ऐसी स्थिति में 28 सितंबर को फाइनल में एक बार फिर इन्हें खेलना पड़ सकता है ।.दोनो ही टीमें अभी ग्रुप ए की अंकतालिका में पहले और दूसरे नंबर पर हैं ।भारतीय टीम के दो मैचों से चार अंक हैं वहीं पाकिस्तान के दो मैचों में दो अंक हैं। भारत ने जहां पहले मैच में यूएई वहीं पाक ने ओमान को हराया ।

ऑस्ट्रेलिया खिलाफ सीरीज में वापसी करना चाहेगी भारतीय टीम

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। इसमें कोई शक नहीं कि असली परीक्षा यहीं से शुरू होगी। पहले वनडे में आठ विकेट से शानदार जीत के बाद, ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम एक और सीरीज जीत के दरवाजे पर दस्तक दे रही है। भारत के खिलाफ पिछले दस मुकाबलों में से नौ में जीत, और कुल 57 में से 47 में जीत। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है जो चैंपियन होने का प्रमाण देता है।

भारत को नजरअंदाज मत कीजिए। वे पहले मैच में भले ही जीती न हो, लेकिन हरमनप्रीत कौर की टीम के लिए कुछ सकारात्मक पहलू भी रहे हैं। स्मृति मंधाना और युवा प्रतिका रावल ने शीर्ष क्रम में 117 रनों की शानदार साझेदारी करके एक आक्रामक स्कोर की नींव रखी। मंधाना के कवर पर लगाए गए शानदार ड्राइव और रावल के तेज गेंदबाजों के सामने संयम ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। हरलीन देओल ने शानदार अर्धशतक लगाकर स्कोरबोर्ड को गतिमान रखा और दिखाया कि भारत में ऑस्ट्रेलिया को हराने की क्षमता है।

हरमनप्रीत के एनाबेल सदरलैंड की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट होने सहित कई विकेट गिरने से भारत की बढ़त थम गई। ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने उपयोगी प्रदर्शन किया, लेकिन 281 के लक्ष्य के लिए मैदान पर हमेशा ही तेज प्रदर्शन की जरूरत होती है और यहीं पर बात बिगड़ गई। चार कैच छूटने और कुछ बेतरतीब गेंदबाजी ने ऑस्ट्रेलिया को अपनी रणनीति बनाने की आजादी दे दी।

21 साल की फोबे लिचफील्ड जगह की मालकिन लग रही थीं। उन्होंने पिच को सपाट और गेंदबाजी को बेअसर बना दिया, 80 गेंदों पर 88 रन ठोक डाले, तेज और स्पिन दोनों के खिलाफ पूरी ताकत से खेली। बेथ मूनी ने शांतचित्त होकर नाबाद 77 रनों की पारी खेली, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने शांत और कुशल बल्लेबाजी करते हुए बिना किसी नाटकीय अंदाज के लक्ष्य हासिल कर लिया। एलिस पेरी का रिटायरमेंट का दर्द भी ऑस्ट्रेलिया को नहीं रोक सका, उनकी टीम में इतनी मजबूती है।

दूसरे मुकाबले में भारत को पहली गेंद से ही आक्रामक रुख अपनाना होगा। हरमनप्रीत को बल्ले से अगुवाई करनी होगी। उनके रन मंधाना, रावल और देओल को मजबूती से आगे बढ़ा सकते हैं। जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा को बीच के ओवरों में ऑस्ट्रेलियाई टीम के दबाव का सामना करना होगा। गेंद पर दीप्ति शर्मा का नियंत्रण, स्नेह राणा का ऑलराउंड प्रदर्शन और क्रांति गौड़ का विकेट लेने का हुनर अहम हैं। अगर उन्हें लिचफील्ड और मूनी पर लगाम लगानी है तो उन्हें संयम बनाए रखना होगा और अपनी लेंथ पर गेंद फेंकनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए रणनीति सरल है। वही करते रहो जो वे सालों से करते आ रहे हैं। एलिसा हीली की आक्रामक शुरुआत, पेरी का क्लास, गार्डनर का ऑलराउंड प्रदर्शन और सदरलैंड का बढ़ता कद उन्हें एक ऐसी टीम बनाता है जिसमें कोई कमी नहीं दिखती। अलाना किंग की चतुराई भरी स्पिन और जॉर्जिया वेयरहैम की विविधता को इसमें जोड़ दें तो वे हर विभाग में दबदबा बना सकते हैं। क्रिकेट के एक बेहतरीन दिन के लिए परिस्थितियां तैयार दिख रही हैं। चमकीला आसमान, 30एष्ट तापमान और पिच हर किसी के लिए कुछ न कुछ देती है। शुरुआत में अच्छी उछाल, तेज गेंदबाजों के लिए कुछ और खेल आगे बढ़ने के साथ थोड़ा टर्न भी। आउटफील्ड तेज है इसलिए अगर बल्लेबाज बहादुरी से खेलते हैं तो रन जरूर बनेंगे।

गौर है कि भारत के लिए सीरीज दांव पर है इसलिए उनसे जोरदार वापसी की उम्मीद हैं। ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य जीत का दरवाजा बंद करके अपनी चमक बरकरार रखना होगा। यह इरादे कौशल और दबाव से भरपूर एक मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। एक असली भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मुकाबला और जैसा कि कहा जाता है, जब ये दोनों टीमें मिलती हैं तो चिंगारी उड़ती है।

शोएब अख्तर ने पाक कप्तान पर कसा संज सूर्यकुमार की प्रशंसा की

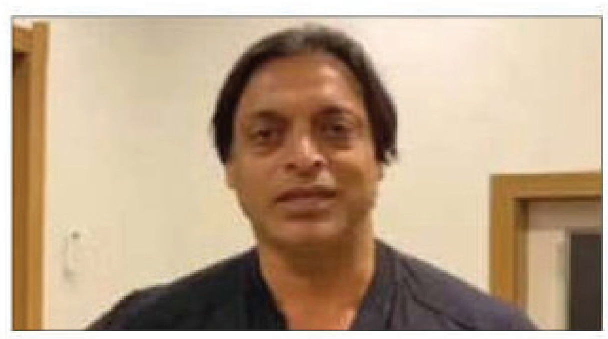

लाहौर ।पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने पाक टीम के कप्तान सलमान अली पर निशाना साधा है ।अख्तर ने सलमान पर तंज कसते हुए उन्हें आइंस्टीन तक कह दिया ।अख्तर ने कहा कि आगा ने भारतीय टीम के खिलाफ मैच में पहले बल्लेबाजी कर सबसे बड़ी गलती की थी ।इस पूर्व तेज गेंदबाज के अनुसार आगा ने पहले बल्लेबाजी चुनी थी जबकि हालातों के अनुसार उनको पहले गेंदबाजी लेनी थी ।शोएब ने भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के रवैये की जमकर प्रशंसा की ।इस मैच में भारतीय टीम ने एकतरफा जीत दर्ज की थी ।पाकिस्तान की टीम ने 127 रन 9 विकेट बनाये ।वहीं भारतीय टीम ने 16वें ओवर में ही 128 रनों के लक्ष्य को 3 विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया ।इस मैच में पाक बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों के आगे बेबस नजर आये ।कुलदीप यादव ने 3 और अक्षर पटेल ने 2 विकेट लिए ।अख्तर के अनुसार दुबई की पिच स्पिनरों की सहायता कर रही है और लक्ष्य का पीछा करना आसान था पर आगा ने इसके बाद भी पहले बल्लेबाजी का फैसला किया ।अख्तर ने एक वीडियो में कहा, 'उनको शुभकामनाएं ।सूर्यकुमार ने पूरी पिच रिपोर्ट पहले ही बना ली थी ।उसने कहा, बाद में ओस गिरेगी ।ऐसे में बल्लेबाजी आसान होती है ।हमारी बल्लेबाजी लंबी है ।हम लक्ष्य का पीछा ही करना चाहते थे ।हम पहले बल्लेबाजी ही करना चाहते थे पर हमारे आइंस्टीन ने कहा कि हमें पहले बल्लेबाजी करनी है ।' इस मैच की दूसरी गेंद पर ही पाक का पहला विकेट गिर गया था ।इसके बाद पाक टीम संभल नहीं पाई, जबकि पूरे मैच को भारतीय टीम हावी रही ।

डुप्लांटिस ने 14वीं बार पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, लगातार तीसरा विश्व खिताब जीता

टोक्यो (एजेंसी)। वह कूद पड़ा, वह चिल्लाया, उमस भरी सोमवार की रात टोक्यो के नेशनल स्टेडियम में 50,000 से ज्यादा दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उसने अपनी बाहें फैला दीं। आर्मंड डुप्लांटिस ने फिर जीत हासिल की। और एक बार फिर, उसने विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। फरवरी 2022 के बाद से यह 14वीं बार था जब इस स्वीडिश खिलाड़ी ने पुरुषों की पोल वॉल्ट में विश्व रिकॉर्ड को फिर से बनाया, जब यह 'सिर्फ' 6.17 मीटर था।

विश्व खिताब तो आसानी से मिल गया था। डुप्लांटिस ने 5.75, 5.85, 5.95, 6.00 और 6.10 मीटर की दूरी आसानी से पार करने के बाद, पहले ही प्रयास में 6.15 मीटर की ऊंचाई पर शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। लेकिन रिकॉर्ड ऊंचाई की बात ही कुछ और थी। डुप्लांटिस ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं, मैं इसे बयां नहीं कर सकता। मुझे लगा कि जापान छोड़ने का एकमात्र तरीका विश्व रिकॉर्ड बनाना ही है।'

हर असफल प्रयास ने उनके आत्मविश्वास को और बढ़ा दिया। पहली कोशिश में, उन्होंने लगभग बार पार कर लिया; दूसरी कोशिश में, बार डगमगाया, लेकिन गिरने से पहले आखिरी क्षण तक टिका रहा। आखिरकार, अपने तीसरे प्रयास में, डुप्लांटिस 6.30 मीटर से ऊपर पहुंच गए - जो कि सिर्फ 27 दिन पहले उनके द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड से एक सेंटीमीटर ज्यादा था। उन्होंने बताया, 'यही मेरी मानसिकता थी। मुझे पता था कि मेरे पास रिकॉर्ड है। जैसे ही मैं उड़ान भरता हूं - जमीन से हवा में कदम रखते ही - मुझे पता चल जाता है कि मेरी छलांग सही रहेगी या नहीं। मुझे पता चल जाता है कि मैंने पर्याप्त ऊर्जा लगाई है या नहीं, या यह वास्तव में कारगर नहीं होगा।'

सिर्फ 25 साल की उम्र में डुप्लांटिस ने सब कुछ जीत लिया है। चार साल पहले टोक्यो के इसी स्टेडियम में, लेकिन महामारी के कारण खाली सीटों के सामने, उन्होंने ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था। तब से उन्होंने यूजीन और बुडापेस्ट में विश्व खिताब जीते हैं, पेरिस में दूसरा ओलंपिक खिताब जीता है और अब एक और विश्व चैंपियनशिप जीत ली है, हर बार रिकॉर्ड को और ऊंचा करते हुए। टोक्यो में इस रात ने इस खेल के महानतम खिलाड़ी के रूप में उनकी विरासत को और मजबूत किया, जहां माहौल उनके प्रदर्शन से मेल खाता था। मुझे उस समय विश्व चैंपियनशिप जीतने पर गर्व है जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। विश्व रिकॉर्ड बनाना एक बोनस है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे लिए कोई सीमा नहीं है। शायद मुझे ही पता चलेगा कि पोल वॉल्ट में असल में सीमा क्या है। आज का मुकाबला लगभग एक स्वप्निल प्रतियोगिता थी।' डुप्लांटिस और बाकी प्रतियोगियों के बीच का अंतर बहुत बड़ा था। ग्रीस के इमैनुएल करालिस ने 6.00 मीटर पर रजत पदक जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के कुर्टिस मार्शल ने 5.95 मीटर पर काउंटबैक में कांस्य पदक जीता। 2012 के ओलंपिक चैंपियन और पूर्व विश्व रिकॉर्ड धारक, फ्रांस के रेनॉड लाविल्लेनी 5.75 मीटर के साथ आठवें स्थान पर रहे। मार्शल, जो दो साल पहले बुडापेस्ट में भी कांस्य पदक जीत चुके हैं, के लिए इस पल का हिस्सा बनना अपने आप में एक सम्मान की बात थी। उन्होंने कहा, 'यह एक अद्भुत रात थी। मेरा मानना है कि यह इतिहास की सबसे उच्च स्तरीय प्रतियोगिता थी।'

ईडी ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के मामले में पूर्व क्रिकेटर उथप्पा को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली ।पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं ।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े मामले में उथप्पा को 22 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार उथप्पा को एक अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया है । इससे पहले इसी मामले में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन से भी पूछताछ हुई थी। इस प्रकार उथप्पा इस मामले में फंसे तीसरे क्रिकेटर हैं। इसके अलावा इस मामले में पूर्व टीएमसी सांसद और अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती का भी बयान दर्ज किया गया है। वहीं बंगाली फिल्मों के अभिनेता अंकुश हाजरा इस मामले में अपने निर्धारित समन पर मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश हुए ।इस मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी बुलाया गया है ।ईडी अवैध सट्टेबाजी ऐप्स से संबंधित मामले में कई लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी के साथ ही कर चोरी के मामले में भी पूछताछ कर रही है ।वहीं आरोपी कंपनी के अनुसार, वह एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त फर्म है, जो सट्टेबाजी कारोबार में डेढ़ दशक से काम कर रही है ।कंपनी के अनुसार, इस ब्रांड के ग्राहक हजारों खेल आयोजनों पर दांव लगा सकते हैं और कंपनी की वेबसाइट और ऐप 70 भाषाओं में उपलब्ध है ।वहीं पिछले माह भारत में ऑनलाइन सट्टेबाजी गेम्स को प्रतिबंधित कर दिया गया था ।इसी कारण ड्रीम 11 को भी भारतीय टीम के प्रायोजक से हटा दिया गया था ।

कांग्रेस ने झूठे मुकदमे दर्ज करवाएं, गहलोत ने बेटे की हार का बदला लेने के लिए प्रोजेक्ट रोका था: केंद्रीय मंत्री

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जोधपुर

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोजरी नदी के प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से लिए गए संज्ञान पर जोधपुर में बात की। उन्होंने कहा- 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को इस विषय पर कई पत्र लिखे लेकिन अपने बेटे की हार का बदला लेने की वजह से प्रोजेक्ट को रोक दिया गया। वहीं साल 2020 में राज्य सरकार गिराने के आरोपों पर कोर्ट के आए फैसले पर कहा- कोर्ट ने एसीबी और सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली है। सत्य को परेशान किया जा सकता है लेकिन दबाया नहीं जा सकता। कांग्रेस ने अपनी आंतरिक कलह और हार के बदले की भावना से निर्दोष लोगों पर झूठे राष्ट्रद्रोह के मुकदमे दर्ज करवाए हैं। शेखावत ने कहा कि जनता ने इसका जवाब दे दिया है और सच की जीत हुई है। उन्होंने त्वस्ञ्ञ की दरों में कमी को भी लेकर जानकारी दी।

जीएसटी दरों में कमी से दीपावली का माहौल

शेखावत ने कहा कि देश में जीएसटी लागू होने से "एक देश, एक बाजार, एक कर" की व्यवस्था स्थापित हुई। पहले व्यापारी अलग-अलग 18 तरह के टैक्स कानूनों से परेशान थे और इंस्पेक्टर राज का शिकार होते थे। जीएसटी ने इस समस्या को समाप्त किया। उन्होंने कहा कि दो ट्रिलियन से चार ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने में जीएसटी की अहम भूमिका रही। नकली बिलिंग व्यवस्था खत्म हुई, छोटे व्यापारियों को राहत मिली, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाएं टैक्स मुक्त की गईं और भ्रष्टाचार पर लगाम लगी। शेखावत ने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद गाड़ियों के शोरूम में दीपावली जैसा माहौल देखने को मिला।

गहलोत ने बेटे की हार का बदला लेने के लिए प्रोजेक्ट को रोक दिया

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोजरी नदी के प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से लिए गए संज्ञान को लेकर जानकारी दी। शेखावत ने कहा- कभी यह नदी किसानों की खुशहाली का कारण थी और 28 किलोमीटर तक पानी ले जाती थी। अब इसमें शहर और उद्योग का गंदा पानी बह रहा है। हालांकि पूरी दुनिया में किसी भी नदी का अंतिम छोर भी होता है लेकिन इस नदी का अंत नहीं है। उन्होंने बताया कि 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को इस विषय पर कई पत्र लिखे लेकिन अपने बेटे की हार का बदला लेने की वजह से प्रोजेक्ट को रोक दिया गया। भजनलाल शर्मा सरकार ने आते ही एनआरडीसी का प्रोजेक्ट तैयार कर फंड जारी कर दिया है। अब नदी की सफाई और स्लज हटाने का काम किया जाएगा। शेखावत ने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग प्रोजेक्ट रोक रहे थे। वहीं आज नदी किनारे सद्बुद्धि यज्ञ कर रहे हैं लेकिन जनता ही बार-बार उन्हें सद्बुद्धि देती रहेगी।

चूरू में कीटनाशक स्प्रे करते समय किसान की मौत, अस्पताल में इलाज के दौरान तोड़ा दम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चूरू

चूरू के दूधवाखारा थाना क्षेत्र में मूंग की फसल पर कीटनाशक का छिड़काव करते समय एक किसान की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने किसान चानणराम मेघवाल (35) को डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया। उनकी स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया, लेकिन डॉक्टरों की निगरानी में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दूधवाखारा थानाधिकारी हंसराज गुर्जर के अनुसार मृतक के भाई दिलीप मेघवाल ने बताया कि कीटनाशक का स्प्रे करते समय यह जहरीला पदार्थ चानणराम की सांस के साथ अंदर चला गया। इस घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मर्ग रिपोर्ट दर्ज कर ली है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्युरी में रखा गया। दोपहर बाद पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

पाली में पिकअप ने बाइक सवार को मारी टक्कर, पैर की हड्डी टूटी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पाली

पाली में तेज रफ्तार पिकअप के ड्राइवर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद युवक हवा में उछलकर सड़क पर गिरा। घटना जिले के रोहट थाना क्षेत्र के भाकरीवाला गांव की है। हादसे में युवक के पैर की हड्डी टूट गई। इसके साथ ही चेहरे पर भी चोट आई। युवक का बांगड़ हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार पाली जिले के रोहट क्षेत्र के भाकरीवाला गांव निवासी 25 साल का हेमाराम पुत्र रूघाराम सोमवार शाम को बाइक पर जा रहा था। सांवलता गांव के निकट पूल पर तेज रफ्तार से आ रहे पिकअप सवार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार हेमाराम उछल कर नीचे गिरा। इसमें उसके एक पैर की हड्डी टूट गई और चेहरे पर भी चोटें आई। इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां उसका उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी लेकर अज्ञात पिकअप सवार की तलाश शुरू की।

साइबर ठगी के लिए सौंपा अकाउंट, 85-लाख का लेन-देन मिला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सवाई माधोपुर

साइबर अपराधों पर अंकुश के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोतवाली थाना पुलिस ने म्यूल अकाउंट (किराये पर दिए गए बैंक खातों) के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस अभियान में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके खाते में साइबर ठगी से जुड़ा 88 लाख रुपए का लेनदेन सामने आया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान महेन्द्र वर्मा (21) पुत्र मोहनलाल वर्मा, निवासी वार्ड नं. 12, ईदगाह कॉलोनी थाना कोतवाली सवाई माधोपुर के रूप में हुई है। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने अपना बैंक खाता अपने दोस्त शाहरुख खान को 5 हजार रुपए कमीशन पर साइबर अपराध की लेन-देन के लिए दिया था। आरोपी के खाते में करीब 84 लाख 88 हजार रुपए का अवैध लेन-देन पाया गया। साथ ही राष्ट्रीय साइबर पोर्टल 1930 पर इस खाते से जुड़ी 9 शिकायतें दर्ज पाई गईं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी और उसके साथी आमजन को डिजिटल अरेस्ट, डमी टेक्स्ट मैसेज और इन्वेस्ट ट्रेडिंग जैसे झांसे में लेकर ठगी करते थे। ठगी की राशि आरोपी के खाते में डाली जाती थी, जिसमें से वह अपना कमीशन लेकर खाता उपलब्ध कराता था। कोतवाली थानाधिकारी हरलाल सिंह मीणा के अनुसार आगामी समय में भी ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

दौसा में महिला का शव लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीण, शमशान भूमि को लेकर विवाद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा दौसा

दौसा जिले में श्मशान भूमि के विवादों को लेकर जिला कलेक्ट्रेट के सामने महिला की डेडबॉडी के साथ ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन किया। सूचना पर एसडीएम नवनीत कुमार और डिप्टी एसपी दीपक मीणा ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर धरना दे रहे लोगों की शिकायत सुनी। मामला सिकराय उपखंड क्षेत्र के रामेड़ा गांव का है, जहां एक बुजुर्ग महिला की मौत होने के बाद परिजन उसे अंतिम संस्कार के लिए लेकर जा रहे थे। लेकिन जगह नहीं होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया और डेडबॉडी लेकर दौसा कलेक्ट्रेट पहुंच गए। जहां श्मशान घाट की मांग को लेकर ग्रामीण वृद्धा के शव को कार में रखकर प्रदर्शन कर रहे हैं। आरोप है कि श्मशान की भूमि पर दो पक्षों का विवाद था। एक पक्ष ने अतिक्रमण बताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियो ने श्मशान की भूमि को लेकर कोर्ट में गलत तथ्य प्रस्तुत किए गए। जिसके चलते कोर्ट ने श्मशान भूमि को हटाने के नोटिस जारी कर दिए।

'फिरौती नहीं दी तो परिवार को मार देंगे, गैंगस्टर रोहित गोदारा ने सीकर के कारोबारी से मांगी 2 करोड़ की फिरौती

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

फतेहपुर थाना इलाके में एक बार फिर प्रॉपर्टी कारोबारी से रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है जिसकी जिम्मेदारी गैंगस्टर रोहित गोदारा ने ली है. गैंगस्टर ने प्रॉपर्टी कारोबारी से 2 करोड़ की फिरौती मांगी. यह मामला तब सामने आया जब कारोबारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. इस बार हिस्ट्रीशीटर राहुल रिणाऊ ने विदेशी नंबर से कॉल करके रोहित गोदारा की बात फतेहपुर के गांगियासर निवासी प्रॉपर्टी डीलर नरेंद्र कुमार से करवाई. रोहित ने कॉल पर प्रॉपर्टी डीलर से दो करोड़ रुपये की फिरौती मांगी और रकम न देने पर उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी. धमकी भरे कॉल के बाद प्रॉपर्टी डीलर ने फतेहपुर कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया है. उन्होंने बताया कि 11 सितंबर को उन्हें एक विदेशी नंबर से कॉल आया. कॉल करने वाले ने खुद को राहुल रीनाउ बताया और फिर उनकी बात गैंगस्टर रोहित गोदारा से करवाई. गोदारा ने सीधे तौर पर 2 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी और धमकी दी कि अगर रकम नहीं दी गई तो पूरे परिवार को जान से मार दिया जाएगा.धमकी के बाद एक वॉइस रिकॉर्डिंग भी भेजी गई, जिसमें जान से मारने की बात दोहराई गई थी. अगले दिन 12 सितंबर को भी उन्हें दोबारा कॉल कर यही धमकी दी गई. प्रॉपर्टी डीलर की रिपोर्ट पर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. पुलिस ने बताया कि इससे पहले भी 10 सितंबर को हिस्ट्रीशीटर राहुल रेणाउ ने फतेहपुर इलाके के व्यापारी बाबूलाल जाट को विदेशी नंबर से फोन कर दो करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी और फिरौती नहीं देने पर व्यापारी और उसके बेटे को जान से मारने की धमकी दी थी. साथ ही सामने यह भी आया है 10 से 12 सितंबर के बीच गैंगस्टर रोहित गोदारा और हिस्ट्रीशीटर राहुल रीनाउ ने अलग - अलग विदेशी नंबरों से कॉल कर फतेहपुर के कई बिजनेसमैन और प्रॉपर्टी कारोबारी को फोन कर फिरौती की मांग की है. पीड़ित नरेंद्र कुमार ने फतेहपुर कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया है। फिलहाल, थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह देगड़ा खुद इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। गौरतलब है कि हिस्ट्रीशीटर राहुल रीनाउ सीकर जिले के फतेहपुर सदर थाने का हिस्ट्रीशीटर है. वह हत्या के एक मामले में बीकानेर जेल से पैरोल पर बाहर आया था, जिसके बाद फर्जी पासपोर्ट की मदद से विदेश भाग गया। पुलिस को अभी भी उसकी तलाश है.

रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी

कारोबारी नरेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि 11 सितंबर को दोपहर 3.51 बजे पहले राहुल रिणाउ ने विदेश के नंबर से फोन किया। इसके बाद रोहित गोदारा से बात करवाई। रोहित गोदारा ने कहा कि मुझे फिरौती के लिए 2 करोड़ रुपए दो, अगर रुपए नहीं दोगे तो तुझे और तेरे परिवार को जान से मार देंगे।

डीग में महिला को उपले के ढेर में जिंदा जलाया, गांव में पुलिस बल तैनात

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा डीग

डीग जिले में एक महिला की गोबर के उपले के ढेर (बिटोरा) में जिंदा जलाकर हत्या करने के बाद परिजन और ग्रामीण अधजले शव को श्मशान घाट में जलाने ले गए। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने उसके साथ भी मारपीट कर दी। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस बल के साथ पहुंचे अधिकारियों ने शव को चिता से उठाकर डीग जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। मामला जिले के खोह थाना इलाके के काकड़ा गांव का मंगलवार दोपहर 12 बजे का है। खोह थानाधिकारी महेंद्र शर्मा ने बताया- सरला देवी (42) पत्नी अशोक को उनके घर के पास बने बिटोरा में जिंदा जलाने के बाद अधजले शव को श्मशान ले जाने की सूचना मिली थी। इस पर चार-पांच पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तो ग्रामीणों ने उनका विरोध किया और गांव में नहीं घुसने दिया। पुलिस जैसे-तैसे करके श्मशान तक पहुंची तो ग्रामीण शव को चिता पर रखकर जलाने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने उनको रोकने और शव को उठाकर डीग अस्पताल ले जाने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने पुलिस के साथ मारपीट कर दी। पुलिसकर्मी जान बचाकर मौके से भागे और उच्चाधिकारियों को मामले की सूचना दी। इसके बाद एडिशनल एसपी अखिलेश शर्मा और एसओ मनीष गुर्जर भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मृतका के शव को श्मशान से उठवाकर डीग अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। काकड़ा गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और हत्या के कारणों की जांच कर रही है। मृतका सरला के परिजन डीग अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मृतका के पति अशोक और उसके परिवार पर हत्या का आरोप लगाया है। सरला का पीहर रोनिजा में है, जो नगर के पास स्थित है। उनकी शादी 2005 में काकड़ा निवासी अशोक के साथ हुई थी। दंपती का कोई बच्चा नहीं था।

अजमेर में विवाहित ने किया सुसाइड, फंदे पर लटकी मिली, आखिरी बार मां को किया था फोन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

अजमेर में विवाहिता ने सुसाइड कर लिया। परिवार को अपने कमरे में फंदे पर लटकी मिली। विवाहिता ने आखिरी बार अपनी मां से मोबाइल पर बात की थी। मां को बोली थी- उस पर काम का ज्यादा बोझ आ गया है। बच्चों के भी एग्जाम आने वाले है। एमपी से पीहर पक्ष के आने पर आज पोस्टमॉर्टम करवाया गया। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है। सुसाइड सोमवार दोपहर का है। मामला दरगाह थाना क्षेत्र के सरावगी मोहल्ले का है। दरगाह थाने के एएसआई श्यामलाल ने बताया- सरावगी की मोहल्ला निवासी स्वाति जैन (38) पत्नी विकास गंगवाल ने सोमवार दोपहर घर पर फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया था। परिवार के लोग उसे जेएलएन हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे,जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया था। पीहर पक्ष के लोग आज मध्यप्रदेश से अजमेर पहुंचे। उनकी शिकायत पर पोस्टमॉर्टम करवाया गया। पुलिस ने मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पीहर पक्ष ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतका स्वाति के जीजा चेतन जैन ने बताया- सोमवार को 12 बजे के करीब स्वाति ने मां मंजू जैन से फोन पर बात की थी। मां से कहा था कि सारा काम उसे ही संभालना पड़ता है। उसके ऊपर काम का ज्यादा प्रेशर है। बच्चों के भी एग्जाम आ रहे हैं। बाद में 2.30 के करीब उसके ससुराल वालों ने फोन कर सूचना दी थी कि स्वाति ने सुसाइड कर लिया है। जीजा ने बताया- स्वाति की शादी करीब 2011 में हुई थी। जिसकी दो नाबालिग बेटियां हैं। स्वाति काफी टैलेंटेड लड़की थी। कोविड के बाद स्वाति ने डिस्पोजल फैक्ट्री को खड़ा किया था। लेकिन उसने सुसाइड क्यों किया अभी तक इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

उदयपुर यूनिवर्सिटी में बवाल-कुलपति के स्वागत में लगा सामान तोड़ा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

औरंगजेब को कुशल शासक बताने वाले कुलपति के बयान को लेकर सुखाड़िया यूनिवर्सिटी में मंगलवार को भी छात्रों का प्रदर्शन हो रहा है। आज दूसरे दिन भी छात्र नारेबाजी करते हुए पहले प्रशासनिक भवन पहुंचे। इसके बाद वे होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट गए। होटल मैनेजमेंट कॉलेज में कुलपति के आने की सूचना पर सभी छात्र वहां नारेबाजी करते हुए पहुंचे। वहां स्टाफ के अलावा कोई नहीं मिला। ऐसे में छात्रों ने स्वागत के लगी सामग्री तोड़कर हटा दी। इसके बाद आर्ट्स कॉलेज पहुंचे। यहां दोपहर 3 बजे से एग्जाम है। प्रदर्शन कर रहे छात्र एग्जाम पर रोक की मांग को लेकर अड़ गए। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष मयूरध्वज सिंह, रौनकराज सिंह, मिलिंद पालीवाल, पुष्पेन्द्र सिंह ने चेतावनी दी है कि कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा को दफ्तर नहीं आने देंगे। वहीं, दूसरी तरफ राज्यपाल, डिप्टी सीएम और उच्च शिक्षा मंत्री ने सुखाड़िया यूनिवर्सिटी से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है। दरअसल, 12 सितंबर को यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा ने कहा था कि ऐतिहासिक दृष्टिकोण से हम महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान और अकबर जैसे कई राजा-महाराजाओं के बारे में सुनते हैं। इनमें कुछ औरंगजेब जैसे कुशल प्रशासक (एडमिनिस्ट्रेटर) भी थे। विवाद बढ़ने के बाद कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा ने माफी मांगते हुए एक बयान जारी किया। सुनीता मिश्रा ने कहा- वक्तव्य को गलत तरीके से तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। यदि उनके पूरे वक्तव्य को सुना जाए तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि उन्होंने औरंगजेब की प्रशंसा में कुछ नहीं कहा है। वे मूलत: अहिन्दी भाषी हैं, जिसके कारण सुनने में भाषा संबंधी असमंजस हो जाता है। उनका मंतव्य किसी की भावनाओं को आहत करने का नहीं था और यदि उनके वक्तव्य से किसी को ठेस पहुंची हो तो वे क्षमा चाहती हैं।

बाइक सवारों पर पलटा कंटेनर

हाईवे पर युवक का सिर धड़ से अलग हुआ, 2 की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ में बेकाबू कंटेनर बाइक सवारों पर पलट गया। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। एक युवक का सिर धड़ से अलग हो गया, जबकि दूसरा युवक कंटेनर के नीचे दब गया। एक्सीडेंट उदयपुर-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर मंगलवार को भदेसर इलाके में बानसेन पुलिया पर हुआ। हादसे के बाद एक युवक का शव प्लास्टिक बैग और दूसरे युवक की बॉडी दो हिस्सों में ले गए। पुलिस ने बताया- हादसे में कपिल मेनारिया (30) पुत्र मोहन मेनारिया निवासी नगर पालिका कॉलोनी चित्तौड़गढ़ और अक्षित सोनी (24) पुत्र गोपाल सोनी निवासी सोनी मोहल्ला चित्तौड़गढ़ की मौत हो गई है। दोनों युवक फाइनेंसकर्मी थे। कंटेनर उदयपुर से चित्तौड़गढ़ की ओर आ रहा था। जब वह पुलिया पर पहुंचा तो बेकाबू हो गया और पलट गया। पुलिस ने बताया- दोनों युवक सुबह 8.30 बजे बानसेन और भादसोड़ा के आस-पास के गांवों से रिकवरी करने गए थे। फिर दोनों प्राकट्य स्थल वागुंड स्थित श्रीसांवलियाजी के दर्शन करने गए। इस दौरान फाइनेंस ऑफिस लौटते समय 11.30 बजे हादसा हुआ। बाइक कपिल चला रहा था और पीछे अक्षित बैठा था। हाईवे पर बाइक के पास से कंटेनर गुजरा था। कंटेनर के बाइक को ओवरटेक करने के दौरान हल्की सी टक्कर लगी थी। ऐसे में कंटेनर ड्राइवर ने गाड़ी पर संतुलन खो दिया और गाड़ी बेकाबू हो गई। इसके बाद पीछे का हिस्सा पलटा और बाइक सवार कपिल और अक्षित पर गिर गया। मौके पर 2 क्रेनों को बुलाया था। कंटेनर इतना भारी था कि 2 क्रेनों से भी नहीं उठ पाया। कपिल का शव और अक्षित का सिर करीब डेढ़ घंटे तक कंटेनर के नीचे दबे रहा। इसके बाद पुलिस ने कंटेनर में मौजूद प्लास्टिक आइटम के रॉ मटेरियल को निकलवा कर क्रेन की मदद से कंटेनर को उठवाया। कपिल की बॉडी को थैली में भरकर ले गए, जबकि अक्षित का धड़ और सिर अलग-अलग लेकर गए। कपिल के एक 5 साल का बेटा है। कपिल का बड़ा भाई मैकेनिक है और पिता ऑटो सर्विस की दुकान करते हैं।

कपिल मेनारिया | अक्षित सोनी

ऑपरेशन सिंदूर में टुकड़े-टुकड़े हुआ मसूद अजहर का परिवार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा इस्लामाबाद

ऑपरेशन सिंदूर के कई महीने बाद अब आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के कमांडर ने भी स्वीकार कर लिया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बहावलपुर में हुए हमले में खूंखार आतंकवादी मसूद अजहर के परिवार के टुकड़े-टुकड़े हो गए थे। जैश ए मोहम्मद के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मसूद इलियास कश्मीरी ने बताया कि किस तरह से

भारतीय सशस्त्र बलों ने उनके ठिकानों को निशाना बनाया और उन्हें तबाह कर दिया। वीडियो में मसूद इलियास कहते हुए सुनाई दे रहा है कि 'अपने देश की सीमाओं की हिफाजत के लिए हम दिल्ली में लड़े, काबुल और कांधार में लड़े। सबकुछ कुर्बान करने के बाद 7 मई को मौलाना मसूद अजहर के परिवार को तबाह कर दिया गया। भारतीय सुरक्षा बलों ने बहावलपुर में उन्हें टुकड़े-टुकड़े कर दिया।' जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की निर्मम तरीके से हत्या के बाद भारत ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इस हमले में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लश्कर ए तैयबा और जैश ए मोहम्मद से जुड़े नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान ने भी बाद में स्वीकार किया कि नौ जगहों पर हमला हुआ। इनमें बहावलपुर, कोटली और मुरीदके जैसे आतंकी प्रशिक्षण केंद्र भी शामिल थे। बहावलपुर पाकिस्तान का 12वां सबसे बड़ा शहर है और इसे जैश ए मोहम्मद का गढ़ माना जाता है। लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर स्थित, जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह, जिसे उस्मान-ओ-अली परिसर के नाम से भी जाना जाता है, में जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय स्थित है। जैश-ए-मोहम्मद का मुख्य केंद्र होने के कारण इसे निशाना बनाया गया। संयुक्त राष्ट्र ने मसूद अजहर को प्रतिबंधित किया हुआ है। मसूद अजहर ने 2000 के दशक की शुरुआत में जैश-ए-मोहम्मद का गठन किया। यह आतंकी संगठन पिछले दो दशकों में भारत में कई बड़े आतंकी हमलों को अंजाम दिया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि मसूद अजहर ने एक बयान जारी कर स्वीकार किया कि भारतीय अभियान में उसके परिवार के 10 सदस्य मारे गए थे।

केमिकल से भरे कैंटर में लगी आग, दो लोगों की जिंदा जलने से मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा रेवाड़ी

बनीपुर चौक पर रात करीब एक बजे केमिकल से भरे कैंटर में आग लगने की वजह से पीछे से आ रही क्रेटा गाड़ी इसकी चपेट में आ गई। गाजियाबाद से खाटूश्याम दर्शन के लिए जा रहे चार व्यापारी कार सहित हादसे का शिकार हो गए। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद केमिकल से भरे कैंटर का चालक मौके से फरार हो गया। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि कैंटर में शॉर्ट-सर्किट या लीकेज की वजह से आग लगी होगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। व्यापारी क्रेटा कार से गाजियाबाद से खाटूश्याम जा रहे था। जैसे ही वे बनीपुर चौक के पास पहुंचे, तभी आगे चल रहे केमिकल से भरे कैंटर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कैंटर से उठी आग की लपटें पीछे आ रही कार तक पहुंच गईं। कार में फंसे चार लोगों में से दो को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और वे जिंदा जल गए। वहीं, दो बुरी तरह झुलस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना डरावना था कि कुछ ही मिनटों में कैंटर और कार दोनों आग के गोले में तब्दील हो गए। राहगीरों ने पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना पाकर दमकल कर्मियों ने पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। वहीं, हादसे के बाद कैंटर का चालक मौके से फरार हो गया। मृतकों की पहचान गाजियाबाद के दिलशान गार्डन निवासी संजीव अग्रवाल उम्र 41 साल और पंचवटी निवासी अंशु मित्तल उम्र 40 साल के तौर पर हुई है।

भाजपा का ढोंग उजागर हो गया, भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर भड़के उद्धव ठाकरे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलने से भाजपा की देशभक्ति का ढोंग उजागर हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश को इसमें भाग न लेकर दृढ़ता दिखानी चाहिए थी। भारत ने रविवार को खेले गए मैच में पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। हालांकि पहलगाम आतंकी हमले के चलते सोशल मीडिया पर इस मैच का बहिष्कार करने की मांग उठ रही थी। पाकिस्तान से मैच खेलने को लेकर बीसीसीआई की भी आलोचना हो रही है। ठाकरे ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'भाजपा का ढोंग उजागर हो गया है। भारत को (पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच) न खेलकर दृढ़ता दिखानी चाहिए थी।' ठाकरे ने कहा कि अब यह साफ है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कई देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने के बावजूद भारत को देशों से समर्थन क्यों नहीं मिला। ठाकरे ने कहा, 'जब हमने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का जनक है, तो दुनिया आपसे सवाल पूछेगी। आप पाकिस्तान के दुश्मन हैं या दोस्त? अगर आप उनके दुश्मन हैं, तो सारे रिश्ते तोड़ दीजिए।' महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने क्रिकेट मैच विवाद में भाजपा का समर्थन करने के लिए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'उन्हें सिर्फ अपनी कुर्सी प्यारी है, देश नहीं।' ठाकरे ने महायुति सरकार पर 9 लाख करोड़ रुपये के बढ़ते कर्ज और खराब वित्तीय स्थिति के बावजूद नई योजनाएं शुरू करने पर भी निशाना साधा।

पाकिस्तान के लिए कहानी बनकर रह जाएंगी रावी सतलुज जैसी नदियां! संकट में भविष्य

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा इस्लामाबाद

भारत और पाकिस्तान में बहने वाली नदियों के पानी की चर्चा हालिया समय में लगातार रही है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु समझौते को निलंबित किया था। इसका पाकिस्तान ने कड़ा विरोध किया और मामला वैश्विक मंचों तक पहुंचा। इसके बाद हालिया दिनों में भारत और पाकिस्तान दोनों देशों के पंजाब प्रांत में आई बाढ़ ने एक बार फिर नदियों को लेकर अलग-अलग चर्चा को जन्म दिया है। पाकिस्तान में खासतौर से की नदियों का भविष्य को लेकर कई सवाल हैं। पाकिस्तानी वेबसाइट फ्राइडे टाइम्स ने सिंधु समझौते में आने वाली छह नदियों (खासतौर से भारत नियंत्रित नदियां) पर रिपोर्ट की है। ये रिपोर्ट बताती है कि कैसे हाल में बाढ़ से चौंकाने वाली नदियों ने बीते सालों में कम होते पानी का सामना किया है। कभी पाकिस्तान में लहरा के बहने वाली पूर्वी नदियां- रावी, सतलुज और ब्यास वहां अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही हैं। 1960 की सिंधु जल संधि में भारत को मिली इन नदियों का स्वरूप बांध, बैराज और दूसरे प्रोजेक्ट के चलते बदल गया है। इससे पाकिस्तान में इन नदियों के भविष्य पर गंभीर संकट है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने पूर्वी नदियों पर भंडारण बांधों की एक विशाल श्रृंखला का निर्माण किया है। सतलुज पर बने भाखड़ा बांध में 7.5 मिलियन एकड़ फीट जल भंडारण क्षमता है। ब्यास के पौंग बांध में 6 MAF जल भंडारण क्षमता है। रावी पर रंजीत सागर (थीन) बांध 0.8 MAF जल भंडारण क्षमता जोड़ता है। पंडोह और शाहपुर कंडी बांध के साथ भंडारण 14.83 मिलियन एकड़ फीट हो जाता है। भारत के बांध सभी मौसमी प्रवाहों को नियंत्रित करते हैं। इससे रावी नदी पाकिस्तान में बहुत पानी लेकर जाती है।

पाकिस्तान के बांध

पाकिस्तान की अपने विशाल बांधों पर काफी ज्यादा निर्भरता है। पाकिस्तान का तरबेला (9.7 मिलियन एकड़ फीट) और मंगला (8.4 मिलियन एकड़ फीट) का संयुक्त भंडारण भारत के पूर्वी नदी जलाशयों की क्षमता से 32' अधिक है। कई छोटे बांध इसकी क्षमता में और वृद्धि करते हैं। तरबेला के अलावा खैबर पख्तूनख्वा में दस और पंजाब में आठ अतिरिक्त बांध हैं। पंजाब में 15 हेडवर्क्स और बैराज हैं। वहीं खैबर पख्तूनख्वा में दो बड़े और कई छोटे बैराज हैं। पाक के सिंध में कोई बांध नहीं लेकिन तीन बड़े बैराज हैं। भारत की ऊपरी धारा की संरचनाएं पूर्वी नदियों तक पाकिस्तान की पहुंच को सीमित करती हैं। खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब में बांध वही भूमिका निभाते हुए तय करते हैं कि सिंध तक कितना पानी पहुंचेगा।

नदियों का घटता प्रवाह

नदियों के प्रवाह के दस्तावेजों से पता चलता है कि 1976 से 1998 तक पाकिस्तान को रावी नदी से सालाना औसतन 9.35 मिलियन एकड़ फीट पानी मिला। 1999 से 2022 की अवधि में यह आंकड़ा घटकर 2.96 मिलियन एकड़ फीट रह गया, जो 68' की गिरावट है। शाहपुर कंडी बैराज के पूरा होने के साथ ही यह प्रवाह और कम हो जाएगा। सतलुज और ब्यास के प्रवाह के पुराने आंकड़े नहीं हैं। हालांकि आज ये साफ है कि मानसून के अलावा ये नदिया पाकिस्तान तक पहुंच ही नहीं पाती हैं। सिंधु बेसिन का एक व्यापक दृष्टिकोण दर्शाता है कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही घटते प्रवाह का सामना कर रहे हैं।

कर्नाटक के राज्यपाल ने विधेयक लौटाया, झीलों का बफर जोन कम करने पर मांगा स्पष्टीकरण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बंगलूरू

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राज्य में झीलों या तालाबों के आसपास के बफर जोन के आकार को कम करने वाला विधेयक सरकार को लौटा दिया है और सरकार से इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा है। हाल ही में कर्नाटक विधानसभा के दोनों सदनों में पारित कर्नाटक टैंक संरक्षण और विकास प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक में जलाशयों के क्षेत्रफल के आधार पर झीलों के बफर जोन को कम करने का प्रस्ताव है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा है कि उठाए गए मुद्दों पर राज्य सरकार से स्पष्टीकरण लेना जरूरी है, और यह भी जानना जरूरी है कि इस संशोधन का कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ेगा। राज्यपाल कार्यालय से सरकार को भेजे एक पत्र में कहा गया है कि, 'इस संबंध में सही स्पष्टीकरण के साथ फाइल को फिर से प्रस्तुत करने के लिए राज्य सरकार को वापस कर दिया जाए।' राज्यपाल ने सरकार को भेजे अपने पत्र में ये भी कहा कि बंगलूरू टाउन हॉल एसोसिएशन ने उनके कार्यालय से इस विधेयक को मंजूरी न देने का अनुरोध किया है। एसोसिएशन ने चिंता व्यक्त की है कि विशेषज्ञों की राय के अनुसार, वर्तमान झील बफर जोन 30 मीटर ही अपर्याप्त है, और पारिस्थितिकी तंत्र संतुलन के लिए करीब 300 मीटर बफर जोन होना चाहिए। एसोसिएशन ने कहा है कि बफर जोन को बढ़ाया जाना चाहिए, न कि घटाया जाना चाहिए। एसोसिएशन के अनुसार, 'यह संविधान और स्थापित कानून का उल्लंघन है, और प्रत्येक नागरिक के लिए हानिकारक है, यह नागरिकों के जल सुरक्षा और स्वस्थ पर्यावरण के अधिकार को प्रभावित करता है।' राज्यपाल ने कहा है कि राज्य सरकार ने इस संशोधन के असर के बारे में न तो विशेषज्ञ समिति से और न ही जनता से परामर्श किया है। विधेयक में जल निकायों के लिए क्षेत्रवार बफर जोन बनाने और प्राधिकरण की पूर्व स्वीकृति से सड़क, पुल, विद्युत लाइन, जल आपूर्ति लाइन, भूमिगत जल निकासी (यूजीडी) लाइन, जैकवेल या पंप हाउस या सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), इंटरमीडिएट सीवेज पंपिंग स्टेशन (आईएसपीएस) आदि जनोपयोगी कामों के निर्माण की अनुमति देने का प्रस्ताव है। विधेयक के अनुसार, 0.5 गुंटा तक की झीलों के लिए बफर जोन नहीं होगा। एक एकड़ तक की झीलों के लिए बफर जोन 3 मीटर का होगा। 1-10 एकड़ आकार की झीलों के लिए यह 6 मीटर, 10-25 एकड़ आकार की झीलों के लिए 12 मीटर, 25-100 एकड़ आकार की झीलों के लिए 24 मीटर और 100 एकड़ से अधिक आकार की झीलों के लिए 30 मीटर होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने अभय चौटाला को दी राहत, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी की याचिका खारिज की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) नेता अभय चौटाला को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ दायर एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी की याचिका खारिज कर दी। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें अभय चौटाला को 2008 में उनके खिलाफ दायर मानहानि के मामले में जारी समन रद्द कर दिया गया था। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि वह उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने के लिए इच्छुक नहीं है। अदालत रिटायर्ड अधिकारी परमवीर राठी द्वारा दायर एक अपील पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उच्च न्यायालय के 19 दिसंबर, 2023 के आदेश को चुनौती दी गई थी। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी ने अगस्त 2008 में चौटाला और कुछ अन्य व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि अभय चौटाला और अन्य लोगों ने शिकायतकर्ता अधिकारी के खिलाफ मानहानिकारक बयान दिए थे, जो विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित हुए थे, और इससे उनकी प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति हुई। गुरुग्राम की एक अदालत ने इस मामले में साल 2010 में चौटाला को समन जारी किया था, जिसे चौटाला ने अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय में चुनौती दी थी, जिसने आदेश को बरकरार रखा। इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय ने समन आदेश को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि परमवीर राठी द्वारा पेश सबूत पर्याप्त नहीं है और इनसे पता नहीं चलता कि राठी के खिलाफ कथित मानहानिकारक बयान चौटाला ने ही दिए थे। इसके बाद उच्च न्यायालय ने चौटाला के खिलाफ समन रद्द कर दिया।

महाराष्ट्र में 31 जनवरी 2026 तक स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश, सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को 31 जनवरी, 2026 तक राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने महाराष्ट्र के अधिकारियों को इस साल 10 अक्तूबर तक राज्य में परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया। शीर्ष न्यायालय ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि 6 मई को जारी उसके तर्कसंगत आदेश के बावजूद राज्य चुनाव आयोग इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई करने में विफल रहा। तत्कालीन आदेश में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना चार सप्ताह के भीतर और चुनाव चार महीने के भीतर कराने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने अब महाराष्ट्र में स्थानीय चुनाव कराने के लिए कार्यक्रम निर्धारित करते हुए समय सीमा में और विस्तार दे दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस संबंध में आगे कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा। इससे पहले 22 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार को स्थानीय निकायों की चुनाव प्रक्रिया के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया था। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका में शीर्ष अदालत के उस आदेश को वापस लेने की मांग की गई थी, जिसमें राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिया गया था कि नई आरक्षण नीति उन 367 स्थानीय निकायों पर लागू नहीं होगी, जहां चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। इसके बाद सरकार ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर अपने आदेश को वापस लेने या उसमें संशोधन की मांग की थी। शीर्ष अदालत ने 28 जुलाई 2022 को राज्य चुनाव आयोग को चेतावनी दी थी कि अगर उसने स्थानीय निकायों के लिए चुनाव प्रक्रिया को फिर से अधिसूचित किया तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले राज्य सरकार स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला अध्यादेश लेकर आई थी। इससे पहले दिसंबर 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि सरकार शीर्ष अदालत के 2010 के आदेश में निर्धारित ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं करती। कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि जब तक ट्रिपल टेस्ट मानदंड पूरा नहीं हो जाता, तब तक ओबीसी सीटों को सामान्य श्रेणी की सीटों के रूप में फिर से अधिसूचित किया जाएगा। ट्रिपल टेस्ट के लिए राज्य सरकार को प्रत्येक स्थानीय निकाय में ओबीसी के पिछड़ेपन पर डेटा एकत्र करने, आयोग की सिफारिशों के आलोक में प्रत्येक स्थानीय निकाय में आरक्षण के अनुपात को निर्दिष्ट करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित आयोग का गठन करने की आवश्यकता थी कि ऐसा आरक्षण एससी/ एसटी/ ओबीसी के लिए आरक्षित कुल सीटों के 50 प्रतिशत से अधिक न हो।

मॉरीशस के पीएम ने राजघाट पर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि; राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

भारत दौरे पर आए मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने मंगलवार को दिल्ली में राजघाट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। उन्होंने भारत और मॉरीशस के संबंधों को मजबूत करने पर बात की। बीते नौ सितंबर को भारत दौरे पर पहुंचे मॉरीशस के प्रधानमंत्री बीते लगभग एक हफ्ते में कई जगहों का दौरा कर मंगलवार को दिल्ली लौटे। दिल्ली आने के बाद उन्होंने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। महात्मा गांधी स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद रामगुलाम ने राजघाट में आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर भी किए। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि दोनों देशों के बीच संबंध अद्वितीय हैं और हमारे साझा इतिहास, भाषा, संस्कृति और मूल्यों पर आधारित हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री रामगुलाम के व्यापक नेतृत्व अनुभव से भारत-मॉरीशस के दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध आने वाले समय में और भी मज़बूत होंगे। दिल्ली पहुंचने से पहले मॉरीशस के पीएम आंध्र प्रदेश के तिरुपति में तिरुमाला मंदिर के दर्शन किए। वे ब्रह्मऋषि आश्रम के कार्यक्रम में भी शामिल हुए। आश्रम के सिद्ध गुरु सिद्धेश्वर ब्रह्मास्मि गुरुदेव स्वामी ने उन्हें राष्ट्रपिता जैसा बताया।

शाह बोले- युवा पीढ़ी देश की नींव

2047 का विजन तभी सफल, जब देश हो नशा मुक्तः अमित शाह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश से ड्रग्स के खतरे को पूरी तरह मिटाने के लिए दृढ़ संकल्पित है और इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। वे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का आयोजन नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने किया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित और महान राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तय किया है। इस सपने को पूरा करने के लिए देश का सुरक्षित होना जरूरी है और सुरक्षा तभी संभव है जब युवा पीढ़ी को ड्रग्स के खतरे से बचाया जाए। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की नींव होते हैं और यदि वे नशे की चपेट में आ जाएंगे तो देश कमजोर हो जाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई का पैमाना बड़ा किया जाए ताकि आने वाले दिनों में ज्यादा सफलता मिले। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में यह देखा गया है कि किसी राष्ट्र की प्रगति और ड्रग्स की चुनौती का सीधा संबंध है। दुर्भाग्य से, जिन दो क्षेत्रों से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा ड्रग्स की सप्लाई होती है, वे भारत के नजदीक हैं। इसलिए यह समय है कि हम इस खतरे के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ें। शाह ने कहा कि ड्रग्स के कारोबार में तीन तरह के कार्टेल सक्रिय हैं। पहला, वे कार्टेल जो देश के एंट्री पॉइंट्स पर काम करते हैं। दूसरा, वे जो एंट्री पॉइंट से राज्यों तक सप्लाई नेटवर्क संभालते हैं। तीसरा, वे छोटे स्तर के कार्टेल जो पान की दुकानों और मोहल्लों तक ड्रग्स बेचने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि इन तीनों स्तरों पर सख्त प्रहार करना होगा और यह तभी संभव है जब अधिकारी इसे अपनी लड़ाई समझकर आगे बढ़ें। गृह मंत्री ने कहा कि ड्रग्स कारोबार में शामिल विदेश में बैठे अपराधियों को कानून के दायरे में लाना अब बेहद जरूरी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा